RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:318 ता. 08 जून 2024, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

93 फ़ीसदी करोड़पति सांसद, संसद पहुंचे

भाजपा के 240 सांसदों की औसत संपत्ति 50 करोड़

नई दिल्ली । एडीआर ने जो रिपोर्ट जारी की है। इसके अनुसार 504 नवनिर्वाचित सांसद करोड़पति हैं।इसमें सबसे ज्यादा 227 करोड़पति सांसद भाजपा के हैं। कांग्रेस के केवल 92 करोड़पति संसद संसद पहुंचे हैं। चुनाव में उम्मीदवारों द्वारा जो हलफनामे दाखिल किए गए हैं।उसके अनुसार यह आंकड़े जुटाए गए हैं। 93 फ़ीसदी सांसद एक करोड़ से ज्यादा संपत्ति के मालिक हैं। हर सांसद का औसत 46।34 करोड रुपए आता है।भाजपा के 240 सांसद निर्वाचित हुए हैं। इनकी औसत संपत्ति 50।04 करोड रुपए है। आंध्र प्रदेश के डॉक्टर चंद्रशेखर तेलुगु देशम पार्टी के सांसद हैं। इनकी संपत्ति 5705 करोड रुपए की है। दूसरे नंबर पर तेलंगाना के भाजपा सांसद कोडा विश्वेश्वर रेड्डी है।इनकी संपत्ति 4568 करोड रुपए है। तीसरे नंबर पर भाजपा के नवीन जिंदल है। इनकी संपत्ति 1241 करोड रुपए की है।

एवरेस्ट पर पांच पर्वतारोहियों के अवशेष मिले

नई दिल्ली । नेपाली सेना ने अपने लगभग दो महीने लंबे पर्वत सफाई अभियान 2024 के तहत एवरेस्ट क्षेत्र से पांच पर्वतारोहियों के अवशेष और 11 टन कचरे को साफ किया है। नेपाली सेना ने अपने इस सफाई अभियान की शुरुआत साल 2019 में की थी और ये इसी से जुड़ा चौथा सफाई अभियान था। नेपाली सेना ने माउंट एवरेस्ट 8848.86 मीटर की सबसे ऊंची चोटी, माउंट ल्होत्से और एवरेस्ट बेस कैंप के पास माउंट नुप्से क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया। अपने सफाई अभियान के दौरान नेपाली सेना की टीम ने अपने चार इंसानी शव और एक मानव कंकाल मिले जो माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई के दौरान हादसे का शिकार हो गए। और इससे उनकी मौत हो गई थी।

पटरी से उतरे मालगाड़ी के 2 डिब्बे

फरीदाबाद । हरियाणा के फरीदाबाद में शुक्रवार को आगरा-मथुरा की ओर से दिल्ली की तरफ जा रही मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। घटना सुबह पांच बजे के करीब ओल्ड फरीदाबाद रेलवे स्टेशन के पास हुई। इससे सवारी ट्रेनों के आवागमन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से क्यों उतरे, इसके कारणों का अभी खुलासा नहीं हुआ है। रेलवे की टीमें डिब्बों को पटरी पर लाने का प्रयास कर रही हैं। राजकीय रेलवे पुलिस के एसएचओ राजपाल ने बताया की घटना सुबह लगभग 5 बजे की है। लूप लाइन से होकर एक मालगाड़ी मथुरा से दिल्ली की ओर जा रही थी। मालगाड़ी ओल्ड फरीदाबाद के अंडर पास के ऊपर पहुंची तो अचानक से उसके दो डिब्बे पटरी से उतर गए।

महाराष्ट्र में मानसून ने दी दस्तक, दो-तीन दिन में मुंबई को भिगोएगा

मुंबई। देश के कई क्षेत्रों में गर्मी और लू से लोग काफी परेशान हैं। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली-एनसीआर के लोगों को भीषण गर्मी से थोड़ी राहत सी मिली है। भारतीय मौसम विभाग ने जानकारी दी कि 6 जून को मानसून महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र में राज्य में प्रवेश कर चुका है। वहीं, मानसून रत्नागिरी और सोलापुर की ओर बढ़ रहा है। मुंबई में 9-10 जून के आसपास मानसून आने की उम्मीद जताई जा रही है। मौसम विभाग के अधिकारी ने बताया कि अगले कुछ दिनों में मानसून पूरे भारत में आ जाएगा, लेकिन अगले सप्ताह से कमजोर पड़ सकता है। पश्चिमी तट को छोड़कर अधिकांश क्षेत्रों में कम बारिश होगी। वहीं, जून के आखिरी तक मानसून के दिल्ली पहुंचने का अनुमान है। पिछले साल 25 जून को दिल्ली में मानसून आया था। हिमाचल प्रदेश में मानसून 20 जून तक आने का अनुमान है। एक सप्ताह के दौरान कोई विशेष बदलाव नहीं है और दो दिनों में बारिश हुई है उसमें भी कमी आएगी। मौसम विभाग के मुताबिक आज पूर्वी और पश्चिमी यूपी, पूर्वी मध्य प्रदेश और झारखंड में लू चल सकती है। यहां तापमान 40 डिग्री से ज्यादा होने की संभावना है। इसके लिए विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

नरेंद्र मोदी को एनडीए ने तीसरी बार चुना संसदीय दल का नेता

हमारा गठबंधन सच्चे अर्थ में भारत की आत्मा : मोदी

-अब राष्ट्रपति से मिलेंगे और पेश करेंगे सरकार बनाने का दावा

नई दिल्ली। (एजेंसी)

शुक्रवार को दिल्ली की पुरानी संसद में हुई एनडीए की बैठक में नरेंद्र मोदी को तीसरी बार संसदीय दल का नेता चुन लिया गया है। बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के नवनिर्वाचित सांसदों की बैठक में प्रस्ताव पर मुहर लगी है। इस बैठक के बाद एनडीए के नेता राष्ट्रपति से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। बैठक को संसदीय दल के नेता नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया और सहयोगी दलों का आभार जताया।

एनडीए का नेता चुने जाने के बाद नरेंद्र मोदी का तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया है। वे देश के दूसरे ऐसे नेता बन जाएंगे, जो लगातार तीसरी बार पीएम पद की शपथ लेंगे। इससे पहले यह रिकॉर्ड देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के नाम पर है। नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते ही इस रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। एनडीए की बैठक में मोदी ने कहा कि मेरे लिए यह खुशी की बात है कि इतने बड़े समूह का आज स्वागत करने का अवसर मिला है। जो साथी जीतकर आए हैं, वे अभिनंदन के अधिकारी हैं। लाखों कार्यकर्ताओं ने दिन-रात परिश्रम किया, इतनी गर्मी में हर दल के कार्यकर्ता ने जो पुरुषार्थ और परिश्रम किया है, आज संविधान सदन के सेंट्रल हॉल से सिर झुकाकर उनको प्रणाम करता हूं। मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार में हम अगले दस साल में गुड गवर्नेंस, विकास, सामान्य मानवीय जीवन में सरकार की दखल जितनी कम हो, उतना कम करने का प्रयास करेंगे। उसी से लोकतंत्र की मजबूती है। आज टेक्नोलॉजी के युग में हम बदलाव चाहते हैं। हम विकास का नया अध्याय लिखेंगे। गुड गवर्नेंस और जनता-जनार्दन की भागीदारी का नया अध्याय लिखेंगे और सब मिलकर के विकसित भारत के सपने को साकार करेंगे। मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार ने देश को गुड गवर्नेंस दिया और एक प्रकार से एनडीए कहते ही गुड गवर्नेंस का पर्यायवाची बन जाता है। हम सबके केंद्र बिंदु में गरीब कल्याण और गुड गवर्नेंस सर्वोपरि रहा है। जब भी सेवा करने का मौका मिला, एनडीए के प्रत्येक नेता ने पूरे भारत में सुशासन सुनिश्चित किया है। एनडीए सुशासन का पर्याय बन गया है। मोदी ने आगे कहा एनडीए के सभी नेतृत्व के बीच एक सामान्य बात मौजूद है- वो है सुशासन। मैं जिम्मेदारी से कह रहा हूं कि अगले दस साल में गुड गवर्नेंस, विकास, नागरिकों के जीवन में क्वॉलिटी ऑफ लाइफ मेरा व्यक्तिगत रूप से एक सपना है। सामान्य मानवी के जीवन में से सरकार की दखल जितनी कम होगी, उतनी ही लोकतंत्र की मजबूती होगी। उन्होंने कहा कि हम सबके केंद्र बिंदु में गरीब का कल्याण रहा है। देश ने इसे जीया है। जनता जर्नादन ने सरकार क्या होती है, सरकार क्यों होती है और किसके लिए होती है, किसके लिए काम करती है, इसका अनुभव किया है। पहले एक खाई बनी रहती थी हम सबका प्रयास है मंत्र दिया और देश को ऊंचाई पर जाने के लिए चरितार्थ किया है।

हमेशा पीएम नरेंद्र मोदी और एनडीए के साथ रहेंगे

बिहार सीएम नीतीश कुमार ने मोदी के पांव छूकर जताया सम्मान

पटना। (एजेंसी)

एनडीए की संसदीय दल की बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री और जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी को समर्थन देने का ऐलान किया। नीतीश ने भरोसा दिलाया कि वे हमेशा पीएम नरेंद्र मोदी और एनडीए के साथ रहेंगे।

नीतीश कुमार ने कहा कि नरेंद्र मोदी दस साल से पीएम हैं और फिर पीएम बनने जा रहे हैं। हम लोग पूरे तौर पर सब दिन इनके साथ रहेंगे। अगली बार जब आइएगा तो न इस बार हम देखे हैं कि कुछ इधर-उधर जीत गया है अगली बार वो सब हारेगा। बिना मतलब का बात बोल-बोलकर क्या किया है, उन लोगों ने आज तक कोई काम नहीं किया है, देश की कोई सेवा नहीं की है। आगे उन लोगों के लिए कोई गुंजाइश नहीं रहेगा। बिहार और देश बहुत आगे बढ़ेगा। सब लोग ठीक हैं सब लोग मिलकर साथ चलेंगे। हम पूरा आपके साथ रहेंगे। मेरा आग्रह यही है कि जल्द से जल्द आपका काम शुरू हो जाए। आज ही शपथ हो जाता तो अच्छा होता। आपको जब इच्छा हो, जब भी हो जितना तेजी से काम हो उतना अच्छा होगा। मोदी के नेतृत्व में सब लोग काम करेंगे, हम सब लोग इनके साथ रहेंगे एक साथ होकर जो कुछ भी करेंगे इनकी बात को मानकर आगे चलेंगे। नीतीश ने एनडीए संसदीय दल की बैठक में नरेंद्र मोदी के पांव छूकर सम्मान जताया। लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी पीएम मोदी की दूसरी रैली नवादा में थी। उस दौरान मंच पर नीतीश कुमार ने बगल में बैठे पीएम नरेंद्र मोदी से बातचीत करते

हुए नीतीश ने उनके पांव छूए थे। पीएम मोदी उम्र में नीतीश कुमार से करीब छह माह बड़े हैं।

नीतीश ने गारंटी देते हुए कहा कि अब हम हमेशा साथ रहेंगे। इस दौरान उन्होंने बिना नाम लिए आरजेडी पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि अगली बार जब आप बिहार आएंगे तो जो इधर-उधर जीता है, अगली बार सब हारेंगे। नीतीश ने हंसते हुए कहा कि सबलोग मिलकर चलेंगे। आपके साथ रहेंगे। आप देश को आगे बढ़ाएंगे, खुशी की बात है। आपके नेतृत्व में सभी साथ मिलकर चलेंगे।

मानहानि केस में राहुल गांधी को राहत... मिली जमानत

बेंगलुरू । (एजेंसी)

कर्नाटक में बीजेपी की ओर से दाखिल कराए गए मानहानि केस में कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को जमानत मिल गई है। लोकसभा चुनावों के कारण पिछली सुनवाई में राहुल गांधी कोर्ट में पेश नहीं हो पाए थे। शुक्रवार सुबह वह कोर्ट में पेश होने के लिए दिल्ली से बेंगलुरु के लिए रवाना हुए थे। कर्नाटक बीजेपी ने कांग्रेस द्वारा 40 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार के विज्ञापन अखबारों में प्रकाशित करने पर मानहानि का केस किया था। इसमें पार्टी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ मौजूदा सीएम सिद्धारमैया, उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और कांग्रेस के राज्य प्रभारी रणदीप सुरजेवाला के खिलाफ मानहानि का केस दाखिल किया था। कोर्ट ने एक जून को हुई पिछली सुनवाई में सीएम सिद्धरमैया और डिप्टी सीएम डी के शिवकुमार को जमानत दी थी। जज के एन शिवकुमार ने राहुल गांधी को सात जून को निश्चित रूप से अदालत में पेश होने का निर्देश दिया था। राहुल गांधी के पेश होने के बाद उन्हें कोर्ट ने जमानत प्रदान की। कोर्ट से बेल मिलने के बाद कांग्रेस नेता नवनिर्वाचित सांसदों से मिलने के कार्यक्रम के लिए रवाना हो गए। कांग्रेस को कर्नाटक में 9 सीटें मिली हैं। 17 सीटें बीजेपी ने जीती हैं। पिछले चुनावों में कांग्रेस को सिर्फ 1 सीट मिली थी।

एनडीए के नए सहयोगियों की चिंता पर गंभीर भाजपा....

अग्निपथ योजना में बदलाव को तैयार

नई दिल्ली। (एजेंसी)

एनडीए के नए गठबंधन सहयोगियों की ओर से अग्निपथ योजना के बारे में चिंता जताने से पहले ही मोदी सरकार ने संकेत दिया था कि भर्ती प्रक्रिया में बदलाव हो सकता है। वरिष्ठ नेताओं ने माना कि शॉर्ट सर्विस सैनिकों के लिए रोजगार के मौके बढ़ाने और नौकरी में आरक्षण प्रदान करने के लिए संशोधन हो सकता हैं। दरअसल राजनीतिक विरोध के अलावा, सशस्त्र बलों के भीतर योजना को लागू करना आसान नहीं रहा है। विशेष रूप से अनुभवी समुदाय सैनिकों के एक अलग वर्ग के निर्माण के बारे में मुखर रहा है, जिनके पास नियमित कर्मियों को दी जाने वाली सुरक्षा और वित्तीय सुरक्षा का अभाव है

सशस्त्र बलों को वर्तमान में 1.5 लाख से अधिक जवानों की कमी का सामना करना पड़ रहा है, इसमें अधिकांश सेना के ही हैं। यह अंतर इसकारण बढ़ा हैं, क्योंकि अग्निपथ योजना के कारण सैनिकों की नियमित भर्ती रोक दी गई है। प्रशिक्षण क्षमता की कमी और सालाना भर्ती लिमिट के कारण कमी को जल्द ही दूर करना चुनौतीपूर्ण है। फिलहाल, योजना यह है कि सेना में केवल 25 फीसदी अग्निवीरों को ही नियमित सैनिक के रूप में रखा जाए। बाकी जवानों को सेना छोड़ने पर पूर्व-निर्धारित वित्तीय पैकेज दिया जाएगा। हालांकि, सरकार सशस्त्र बलों की जरूरतों के आधार पर इस भर्ती को बढ़ाने के लिए तैयार है। इससे यह संभावना बढ़ जाती है कि 2026 के अंत में जब पहला बैच अपना कार्यकाल पूरा कर लेगा, तब लगभग सभी अग्निवीरों को नियमित सर्विस के लिए रखा जा सकता है। वहीं एक और विवादास्पद मुद्दा युद्ध में घायल या शहीद सैनिकों को दी जाने वाली वित्तीय सुरक्षा है। सैनिकों को सशस्त्र बलों में शामिल करने की योजना चाहे जो भी हो, युद्ध में हताहत होने पर मिलने वाले बेनिफिट में समानता सुनिश्चित करने की मांग की गई है।

माकपा के प्रत्याशी अमराराम चौधरी के लिए जीत बेहद खास

छह बार हार के बाद सीकर से जीता लोकसभा चुनाव

जयपुर। (एजेंसी)

राजस्थान के लोकसभा चुनाव नतीजे इस बार लेफ्ट मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के लिए बहुत बड़ी उम्मीद लेकर आए हैं। लेफ्ट पार्टी ने करीब तीन दशक बाद राजस्थान में जीत हासिल की है। माकपा के प्रत्याशी अमराराम चौधरी के लिए ये जीत बेहद खास है, क्योंकि इससे पहले उन्हें चुनाव में छह बार हार का सामना करना पड़ा था। सीकर से नवनिर्वाचित सांसद अमराराम पोरसवाल का जन्म 5 अगस्त 1955 को राजस्थान के सीकर जिले के मुंडवाड़ा गांव के एक जाट परिवार में हुआ था। उन्होंने पढ़ाई पूरी करने के बाद सरकारी शिक्षक की नौकरी की जल्द ही नौकरी छोड़ दी और सक्रिय रूप से राजनीति में कदम रख दिया। अमराराम कबड्डी के खिलाड़ी भी रहे हैं। उन्होंने 1971 में कर्नाटक के शिमोगा में नेशनल ओपन चैंपियनशिप में राजस्थान की ओर भाग लिया था। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान अमराराम भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के छात्र संगठन, स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) में शामिल हो गए। 1979 में उन्होंने कल्याण सिंह कॉलेज का छात्र संघ अध्यक्ष चुना गया। इसी साल अमराराम को एसएफआई की राजस्थान इकाई का प्रदेश उपाध्यक्ष चुना गया था। राजनीति में एंट्री के बाद अमराराम ने सरपंच का चुनाव लड़ा। वह दो बार ग्राम पंचायत मुंडवाड़ा से 1983 और 1993 में सरपंच के चुनाव में जीत हासिल की। पहली बार सरपंच का चुनाव जीतने के बाद उन्होंने 1985 में सीपीआई (एम) के टिकट पर चुनाव लड़ा उस समय वह महज दस हजार वोटों हार गए थे। इसके बाद धोद विधानसभा क्षेत्र से 1993 में कांग्रेस के रामदेव सिंह को हराकर पहली बार विधायक बने। इसके बाद अमराराम ने कभी पीछे मुडकर नहीं देखा और 1998, 2003 में लगातार तीन बार विधानसभा चुनाव में जीते फिर उन्होंने 2008 में राजस्थान के दांतारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के नारायण सिंह को हराकर चौथी बार विधायक चुने गए। वह 2013 में विधानसभा चुनाव हार गए। 2024 में सीकर लोकसभा सीट से जीत दर्ज करने वाले अमराराम चौधरी ने पहली बार 1996 में सीकर लोकसभा सीट से पहला चुनाव लड़ा था। उस समय वह महज 56 हजार मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे। इसके बाद वह छह बार सीकर लोकसभा सीट से लगातार चुनाव लड़ा और हर बार हार गए।

100 टन स्वर्ण भंडार भारत आया.....

इस पर आरबीआई गर्वनर का बयान आया

नई दिल्ली । (एजेंसी)

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक ब्रिटेन से 100 टन स्वर्ण भंडार भारत लाया है, क्योंकि देश में पर्याप्त भंडारण क्षमता है। इसका कोई और मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2023-24 में ब्रिटेन में संग्रहीत अपने 100 टन सोने को घरेलू तिजोरियों में स्थानांतरित कर दिया है। यह 1991 के बाद सोने का सबसे बड़ा स्थानांतरण है। वर्ष 1991 में विदेशी मुद्रा संकट से निपटने के लिए सोने के बड़े हिस्से को गिरवी रखने के लिए तिजोरियों से बाहर निकाला गया था। दास ने कहा कि विदेशों में रखे गए सोने की मात्रा लंबे समय से स्थिर थी। उन्होंने कहा, हाल के वर्षों में आंकड़े बताते हैं कि रिजर्व बैंक अपने भंडार के हिस्से के रूप में सोना खरीद रहा है और इसकी मात्रा बढ़ रही है।

हमारे पास घरेलू (भंडारण) क्षमता है।'' गवर्नर ने कहा कि इसलिए यह निर्णय लिया गया कि भारत के बाहर रखे सोने को लाकर देश में रखा जाए। उन्होंने कहा, '' बस इतना ही।

इसके और कोई मायने नहीं निकाले जाने चाहिए। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में देश के कुल स्वर्ण भंडार में 27.46 टन की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 822 टन हो गया। सूत्रों ने बताया कि सोने का एक बड़ा हिस्सा विदेश में जमा है। अन्य देशों की तरह भारत का सोना भी बैंक ऑफ इंग्लैंड के पास जमा है। भारत में 100 टन सोना वापस आने से स्थानीय स्तर पर भंडार में पड़े सोने की कुल मात्रा बढ़कर 408 टन से अधिक हो गई है। इसका अर्थ है कि स्थानीय और विदेशी होल्डिंग अब लगभग

बराबर है। केंद्रीय बैंक की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, 2023-24 में जारी किए गए नोटों के बदले स्थानीय स्तर पर 308 टन से अधिक सोना रखा गया है। इसके अलावा 100.28 टन सोना स्थानीय स्तर पर बैंकिंग विभाग की संपत्ति के रूप में रखा गया है। कुल स्वर्ण भंडार में से 413.79 टन सोना विदेशों में रखा गया है।

मप्र में बड़ी जीत हासिल करने वाले मामा को मिलेगा गृह मंत्रालय?

-शिवराज सिंह के मोदी सरकार की कोर टीम में शामिल होने की संभावना

भोपाल। (एजेंसी)

लोकसभा सभा चुनाव में मप्र के विदिशा में बंपर जीत के बाद पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान का दिल्ली जाना पक्का हो गया है। 9 जून को वह नई सरकार में कैबिनेट मंत्री के तौर शपथ ले सकते हैं। शिवराज न सिर्फ खुद 8 लाख से ज्यादा वोटों से जीते जो बीजेपी जीत में बड़ी भूमिका निभाई। बड़ी जीत के बाद इनाम के तौर पर शिवराज को केंद्र सरकार में बड़ी भूमिका मिलने की उम्मीद है। पीएम मोदी ने चुनाव प्रचार में इसकी घोषणा की थी। शिवराज के मोदी सरकार की कोर टीम में रहने की संभावना है। चर्चा है कि अमित शाह अब संगठन का काम संभालेंगे और शिवराज सिंह चौहान को गृह मंत्रालय सौंपा जा सकता है। गृह मंत्रालय के दूसरे दावेदार राजनाथ सिंह भी हैं जो केंद्रीय रक्षा मंत्री हैं। 18 साल तक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रहने वाले शिवराज सिंह चौहान के केंद्र में जाने के कयास विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से ही लगाए जा रहे थे। डॉ. मोहन यादव के सीएम बनने के बाद उनका दिल्ली जाना तय था। सत्ता में उलटफेर के बाद शिवराज मायूस दिखे, लेकिन उन्होंने खुद को नए रोल के लिए तैयार कर लिया। लोकसभा चुनाव में शिवराज न सिर्फ प्रत्याशी बने, बल्कि मप्र में मिशन-29 के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी। शिवराज की मामा वाली छवि और योजनाओं का असर लोकसभा चुनाव परिणाम में भी दिखा। बीजेपी ने लगातार तीसरी बार बड़ी जीत हासिल की और पहली बार सभी 29 सीटों पर कब्जा जमाया है। इस तरह शिवराज सिंह चौहान बहुत कम समय में पीएम मोदी के भरोसेमंद सेनापति के तौर पर उभरे। केंद्र में बहुमत नहीं मिलने से नरेंद्र मोदी पहली बार किसी गठबंधन की सरकार की अगुवाई करेंगे। उन्हें अपनी कोर टीम और महत्वपूर्ण मंत्रालय में विश्वसनीय अनुभवी नेताओं की जरूरत है। पिछली सरकार में उन्होंने अमित शाह को गृह मंत्रालय दिया था। यूपी में करारी हार के बाद शाह को दोबारा संगठन में भेजे जाने की खबर है। इस बदलाव के बाद शिवराज सिंह चौहान ही ऐसे नेता हैं, जो उनकी कमी पूरी कर सकते हैं। पिछली सरकार में मध्यप्रदेश से दो कैबिनेट मंत्री थे। ज्योतिरादित्य सिंधिया नागरिक उड्डयन मंत्री बने और कृषि मंत्रालय का जिम्मा नरेंद्र सिंह तोमर को मिला था। मोदी 3.0 में यह विभाग सहयोगी दलों के खाते में जा सकता है। जहां तक शिवराज की छवि सख्त प्रशासक की नहीं है, लेकिन बतौर मुख्यमंत्री अपने कार्यकाल के अंत में उन्होंने योगी मॉडल को अपनाया था। गृह मंत्रालय पर राजनाथ सिंह की दावेदारी हो सकती है, जो पहले भी इस विभाग को देख चुके हैं। लेकिन भारत को अनुभवी रक्षा मंत्री की जरूरत है, इसलिए शिवराज का गृह मंत्रालय दिए जाने पर मुहर लग सकती है।

22 सालों का रिकॉर्ड टूटा.....पहली बार वैशाखी के सहारे मोदी सरकार

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

2001 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का आदेश मिला और नरेंद्र मोदी अचानक गुजरात के मुख्यमंत्री बने। उन्होंने कोई चुनाव नहीं लड़ा था, लेकिन अगले वर्ष ही विधानसभा चुनाव हुआ। 2002 में पहली बार मोदी को गुजरात विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी की अगुवानी करनी थी। बीजेपी 182 सीटों की विधानसभा में 49.85 प्रतिशत वोटों के साथ 127 सीटें जीत गई। मोदी स्पष्ट बहुमत के साथ फिर सत्ता में लौटे। तब से बहुमत सरकारों का नेतृत्व करने का उनका सिलसिला बढ़ता रहा। 2007 और 2012 के गुजरात विधानसभा में लगातार दूसरी और तीसरी बार बहुमत की सरकार बनाने के बाद मोदी केंद्र की राजनीति में आए और वहीं जलवा बरकरार रखा। 2014 में बहुमत के आंकड़े से 10 ज्यादा 282 सीटें लाकर केंद्र में पहली बार सरकार बनाई और प्रधानमंत्री बन गए। 2019 में मोदी का करिश्मा सिर चढ़कर बोला बीजेपी के खाते में 21 सीटें और बढ़ गईं। 10 सालों में विकास, कल्याणकारी योजनाओं और अनुकूल जातीय समीकरण सहित अन्य कई मजबूत मोर्चों की बदौलत बीजेपी ने 2024 के चुनावों में अबकी बार 400 पार का नारा दिया, लेकिन 4 जून को परिणाम आए तब 2002 से गुजरात से शुरू हुआ सिलसिला टूट गया। मोदी के नेतृत्व में चुनाव मैदान में उतरी बीजेपी पहली बार बहुमत के आंकड़े से दूर रह गई। 240 सीटों पर सिमटी बीजेपी और मोदी को नई सरकार बनाने के लिए बैशाखी का सहारा लेने की नौबत आ गई है। यह नरेंद्र मोदी के लिए अग्निपथ पर चलने जैसा है। यह पथ जितना ज्यादा से ज्यादा आसान हो सके, इसकी कवायद हो रही है। दरअसल, 9 जून को नई मोदी कैबिनेट शपथ ग्रहण करेगी। सहयोगी दलों को सरकार में शामिल करने का फॉर्म्युला भी सामने आ चुका है। बताया जा रहा हैं एनडीए की नई सरकार में साथी दलों के हर चार सांसद पर एक मंत्री बनाया जाएगा। सभी दलों के सहयोग से टिकाऊ सरकार बने, इसकी कवायद चल रही है। भाजपा के शीर्ष नेता गुरुवार को इसी चर्चा में लगे रहे और वरिष्ठ पार्टी नेताओं को सहयोगी दलों से बात करने के लिए तैनात किया गया। बीजेपी चीफ जेपी नड्डा के आवास पर कई बैठकें हुईं।

ऑनलाइन फ्रॉड रोकने आईबीआई बनाएगा इंटेलीजेंस प्लेटफॉर्म

-गवर्नर बोले- ग्राहक की सुरक्षा आरबीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) डिजिटल पेमेंट इंटेलीजेंस प्लेटफॉर्म बनाएगा। यह प्लेटफॉर्म ऑनलाइन फ्रॉड रोकने और डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम को मजबूत बनाने में कारगर साबित होगा। इस प्लेटफार्म को बनाने के लिए आरबीआई ने एक कमेटी का गठन किया है, जो कई पहलुओं को समझकर काम करेगी। आज यानी शुक्रवार को आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने इसकी घोषणा की। डिजिटल पेमेंट इंटेलीजेंस प्लेटफॉर्म के बनने के कई फायदे होंगे। इससे सभी सिस्टम पर रियल टाइम डेटा शेयरिंग की सुविधा रहेगी। नेटवर्क लेवल इंटेलीजेंस और रियल टाइम डेटा शेयरिंग से डिजिटल फ्रॉड रोकने में बहुत मदद मिलेगी। भारत में डिजिटल भुगतान प्रणालियों को सुरक्षित बनाने आरबीआई ऐसे फैसले लेता रहता है। इस डिजिटल युग में आरबीआई ने डिजिटल भुगतान की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि ग्राहक सुरक्षा आरबीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैंकिंग सिस्टम को लेकर उन्होंने कहा कि बैंकिंग सिस्टम मजबूत और लचीला है, जिसे एसेट क्वालिटी का सपोर्ट प्राप्त है। प्रॉफिटेबिलिटी में बढ़ोतरी देखी गई। एनबीएफसी ने वित्त वर्ष 2024 में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन किया। हाल के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल आरबीआई ने इस पर चिंता जताए जाने के बाद अनसिक्योर्ड लेंडिंग में लोन और एडवांसेज में कमी आई है। आरबीआई ने लगातार आठवीं बार रेपो रेट को

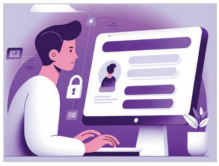

6.5 फीसदी पर बरकरार रखा है। महंगाई को चार फीसदी पर लाने और वैश्विक अनिश्चितता के बीच आर्थिक वृद्धि को गति देने के मकसद से नीतिगत दर को यथावत रखा है। दास ने कहा कि इसके साथ एमपीसी सदस्यों ने लक्ष्य के अनुरूप खुदरा महंगाई को लाने के लिए उदार रुख को वापस लाने का फैसला किया है।

तेलंगाना में भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़ा

-आगामी विधानसभा चुनाव में मिलेगा फायदा

हैदराबाद। (एजेंसी)

तेलंगाना के प्रदेश भाजपा अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने दावा किया कि हाल ही के लोकसभा चुनावों के बाद तेलंगाना में राजनीतिक शून्य पैदा हो गया है। बीआरएस कमजोर हो गया है और कांग्रेस सरकार के प्रति जनता का असंतोष भाजपा के वोट शेयर को 14 फीसद से बढ़ाकर 35 फीसदी तक पहुंचा दिया है। इससे अगले विधानसभा चुनावों में कम से कम 88 सीटें जीतने का विश्वास है।

रेड्डी ने कहा कि सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पार्टी कमजोर हो रही है, जबकि नवगठित कांग्रेस सरकार को सत्ता में आने के छह महीने के भीतर अभियान के दौरान की गई गारंटी को लागू करने में असमर्थता के कारण लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ रहा है। नई दिल्ली में मीडिया को संबोधित करते हुए, रेड्डी ने चुनावों में भाजपा के प्रदर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पार्टी ने पिछले चार-सिकंदराबाद, आदिलाबाद, निजामाबाद और करीमनगर को बरकरार रखने सहित अभूतपूर्व आठ लोकभा सीटें जीती हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा उम्मीदवारों ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी (महबूबनगर, मलकजगिरी) और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (मेडक, करीमनगर) के कथित गढ़ों में असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया और राज्य भर में 47 विधानसभा क्षेत्रों में आगे चल रहे हैं। रेड्डी ने आगे कहा कि विधानसभा चुनाव के छह महीने के भीतर भाजपा का वोट शेयर 14फीसद से बढ़कर 35फीसद हो गया है, जबकि कांग्रेस का महज 1फीसद बढ़कर 40 फीसदी देखा गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा राज्य में कम से कम 88 सीटें जीतेगी।

मोदी के तीसरे कार्यकाल में यूपी के मंत्रियों की घट सकती है संख्या

लोकसभा चुनाव में बीजेपी के सात केंद्रीय मंत्री चुनाव हारे

नई दिल्ली।(एजेंसी)

आज दिल्ली में होने वाली एनडीए की संसदीय बोर्ड की बैठक केंद्र की आगामी सरकार और सहयोगी दलों के लिए काफी अहम है। इसके साथ ही ये बैठक यूपी के लिए महत्वपूर्ण होगी। क्योंकि बीजेपी के सहयोगी दल सरकार में खास मंत्रालयों की मांग कर रहे हैं। जबकि यूपी में एनडीए के दोस्तों में से जनता ने सिर्फ अपना दल की अनुप्रिया पटेल को ही चुना है। इतना ही नहीं, यूपी में बीजेपी के अपने प्रदर्शन को देखते हुए भी यूपी का रुतबा केंद्र में कम हो सकता है।

नई सरकार के गठन से पहले चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार ने अहम मंत्रालयों की मांग की है, ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार में यूपी के मंत्रियों की संख्या घट सकती है। क्योंकि यूपी में भाजपा प्रदर्शन में काफी पिछड़ गई है। यूपी में बीजेपी के सात केंद्रीय मंत्री चुनाव हार गए हैं। इनमें महेंद्र नाथ पांडे, स्मृति ईरानी, अजय मिश्रा टेनी, संजीव बालियान, साध्वी निरंजन ज्योति, भानु प्रताप वर्मा, कौशल किशोर शामिल हैं। इनमें से कई रिपोर्ट्स भी अच्छी नहीं मिली हैं, जबकि पीएम नरेंद्र मोदी के अलावा, राजनाथ सिंह, एसपी सिंह बघेल, पंकज चौधरी चुनकर संसद पहुंचे हैं।

2019 से तुलना की जाए तो उत्तरप्रदेश ने मोदी सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। तब सहयोगी दलों के साथ मिलकर भाजपा ने उत्तरप्रदेश से 64 सीटें जीती थीं और यूपी के 14 मंत्री बनाए गए थे, जबकि इस बार ये आंकड़ा 36 पर ही अटक कर रह गया है। ऐसे में ये तय है कि यूपी से मंत्रियों की संख्या कम होगी।

हालांकि अनुप्रिया पटेल का तीसरी बार मंत्री बनना पक्का है, जबकि आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी भी सहयोगी दल के मुखिया होने के नाते मंत्री बन सकते हैं। उसके अलावा (राजभर -निषाद) चुनाव नहीं जीत सका है। पार्टी को अपने कोटे से ही मंत्री पद देना होगा।

अजित गुट के 18 विधायक शरद पवार के संपर्क में

-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता रोहित का दावा

मुंबई।

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) के शानदार प्रदर्शन के बाद गठबंधन के सभी नेता खुश हैं। वहीं इस बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता रोहित पवार ने दावा किया है कि अजित पवार गुट के 18 से 19 विधायक उनकी पार्टी के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिद्वंद्वी एनसीपी के करीब एक दर्जन विधायक भाजपा के भी संपर्क में हैं। अजित ने पिछले साल एनसीपी से अलग हो गए थे और महाराष्ट्र की बीजेपी और शिवसेना की गठबंधन सरकार में शामिल हो गए थे। अजित पवार को महाराष्ट्र का डिप्टी सीएम बना दिया गया था। शरद पवार के पोते रोहित ने कहा कि अजित पवार गुट के करीब 18 से 19 विधायक शरद पवार और वरिष्ठ नेताओं के संपर्क में हैं। करीब 12 विधायक बीजेपी के संपर्क में हैं। हमारा वरिष्ठ नेतृत्व तय करेगा कि कितने विधायकों को पार्टी में वापस लिया जाए। पिछले दस सालों से बीजेपी और शिवसेना कांग्रेस और एनसीपी के विधायकों और नेताओं को अपने पाले में करने में लगी हुई हैं, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनावों में राज्य में बीजेपी के नेतृत्व वाले गठबंधन को मिली करारी हार ने सत्तारूढ़ दलों में बेचैनी पैदा कर दी है। 48 लोकसभा सीटों के नतीजों को देखें तो 288 विधानसभा सीटों में से विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी (एमवीए) 150 सीटों पर आगे चल रहा है। राज्य में सरकार बनाने के लिए 144 सीटें चाहिए। विपक्ष की इस जीत से बीजेपी सांसदों के गढ़ में भी सेंध लगी है। सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों में यह डर पैदा हो गया है कि यदि वे उनके साथ बने रहे तो क्या वे निर्वाचित हो पाएंगे? अजित पवार के करीबी विधायकों में से एक नीलेश लंके लोकसभा चुनाव से पहले शरद पवार गुट में शामिल हो गए थे और सांसद चुने गए। इस घटनाक्रम ने अजित पवार खेमे के विधायकों में और भी बेचैनी पैदा कर दी है। राज्य एनसीपी अध्यक्ष सुनील तटकरे ने शरद पवार खेमे के दावे को लेकर कहा कि इसमें कोई सच्चाई नहीं है कि अजित पवार विधायक पाला बदल लेंगे।

मोदी सरकार 3.0....बिहार के दो फायर ब्रांड नेता चूक सकते हैं मंत्री पद से

पटना । (एजेंसी)

बिहार के फायर ब्रांड भाजपा सांसद 2024 की मोदी कैबिनेट में मंत्री पद पाने में चूक सकते हैं। हालांकि उन्होंने जीत की हैट्रिक लगाई है। नए समीकरण में एनडीए सरकार में जिन दो मंत्रियों की छुट्टी होने की चर्चा जोरों पर है, उसमें गिरिराज सिंह और नित्यानंद राय के नाम सबसे ऊपर हैं। दरअसल, इस बार चिराग पासवान की पार्टी के पांच सांसद चुने गए हैं। टिकट बंटवारे में चिराग के नेतृत्व वाली एलजेपीआर को एनडीए ने पांच सीटें दी थीं और उन्होंने सभी सीटें जीत लीं। एक सीट पर लड़ कर हम के नेता जीतन राम मांझी चुनाव जीत गए हैं। पिछले मंत्रिमंडल में जेडीयू के आरसीपी सिंह का कुछ दिनों तक प्रतिनिधित्व रहा, लेकिन उनकी राज्यसभा सदस्यता रिपीट न होने से उन्हें मंत्री पद छोड़ना पड़ा।

एनडीए की तीसरी बार बन रही सरकार 9 जून को शपथ लेगी। इससे पहले मंत्रियों के बारे में सटीक अनुमान लगाना थोड़ा मुश्किल है। पर, गठबंधन की मौजूदा स्थिति को देखकर माना जा रहा है कि बिहार के दो मंत्रियों की इस बार छुट्टी हो सकती है। इसके अलग-अलग कारण हैं। नित्यानमद राय खुद जीत तो गए, लेकिन भाजपा को जीत दिलाने में उनकी कोई भूमिका नहीं रही। यादव समाज से आने वाले नित्यानंद भाजपा को अपनी बिरादरी के वोट दिलाने में नाकाम रहे। मंत्री पद से उनकी छुट्टी के अनुमानों का यही बड़ा आधार दिखता है।

वहीं गिरिराज सिंह हिन्दुत्व पर अधिक मुखर रहते हैं। उनकी जुबान पर हिन्दू-मुसलमान और पाकिस्तान तोता रटंत शब्द की तरह रहते हैं। उन्हें इस बार मंत्री पद नहीं मिलने का अनुमान इसकारण लग रहा है कि उनके कट्टर हिन्दुत्ववादी बयानों का कोई असर भाजपा की उपलब्धियों पर नहीं दिखता है। इस बार सहयोगी दलों को उनके उग्र विचारों-बयानों से असुविधा होने का खतरा है। इस बार वे जीत गए हैं, लेकिन उनके स्वजातीय वोटर ही काफी नाराज दिखे। उनके खिलाफ भूमिहार समाज के लोगों की गोलबंदी भी हुई। हालांकि आधे-अधूरे मन से लोगों ने उन्हें वोट कर जीत दिला दी।

बिहार से मोदी के पिछले मंत्रिमंडल में पांच लोगों को मौका मिला था। इसमें आरा के सांसद आरके सिंह थे, जो इस बार सीपीआई (एमएल) से चुनाव हार गए हैं। वन पर्यावरण मंत्री रहे अश्विनी चौबे को भाजपा ने टिकट ही नहीं दिया था। बेहतर परफार्मेंस के कारण चिराग और जीतन राम मांझी का मंत्री बनना तय माना जा रहा है। अगर बिहार के कोटे में पिछली बार की पांच मंत्री बनाए जाते हैं, तब इसमें भाजपा की कोई गुंजाइश नहीं दिखती। यह तभी संभव है, जब इस बार बिहार से मंत्रियों का कोटा बढ़े।

पेरियार नदी में बड़े पैमाने पर मछलियों की मौत

-जल प्रदूषण का संकट हुआ गंभीर

कोच्चि।

पेरियार नदी में बड़े पैमाने पर मछलियों के मरने से गंभीर प्रदूषण संकट उपजा है। मछली पालने और मत्स्य कारोबार में लगे स्थानीय लोगों के लिए यह संकट उत्पन्न हुआ है। हाल ही में स्थानीय लोगों ने जल प्रदूषण को लेकर चिंता जाहिर की थी। हाल ही में पेरियार नदी में बड़े पैमाने पर मछलियों की मौत ने जलमार्ग में गंभीर प्रदूषण और स्थानीय मछली किसानों पर इसके विनाशकारी प्रभाव को प्रकाश में लाया है। 21 और 22 मई को हुई इस घटना में हजारों मछलियों को सतह पर तैरते हुए देखा गया, जो सांस लेने के लिए संघर्ष कर रही थीं। मछली मारने को एडयार औद्योगिक क्षेत्र में कारखानों से अनियंत्रित प्रदूषण से जोड़ा गया है, जो नदी में रासायनिक अपशिष्ट छोड़ रहा है।जल प्रदूषण एक लंबे समय से चली आ रही समस्या है, स्थानीय मछुआरों और किसानों ने पानी के बदलते रंग और तेज गंध की शिकायत की है। हालांकि, हाल ही में मछली मारने की घटना ने व्यापक आक्रोश पैदा कर दिया है और तत्काल कार्रवाई की मांग की है। केरल राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (के. एस. पी. सी. बी.) ने मछलियों की मौत के लिए नदी में ऑक्सीजन के स्तर में कमी को जिम्मेदार ठहराया है, लेकिन प्रदर्शनकारी और स्थानीय प्रतिनिधि इस दावे का खंडन करते हैं। स्थिति के कारण विरोध प्रदर्शन हुए हैं और प्रभावित मछली किसानों के लिए मुआवजे की मांग की गई है। के. एस. पी. सी. बी. ने किसानों को हुए नुकसान के बारे में राज्य सरकार को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्णय लिया है और नदी से सड़ती हुई मछलियों को हटाने के लिए तत्काल कदम उठाने का वादा किया है। घटना की जांच का भी आदेश दिया गया है, जिसमें केरल मत्स्य पालन और महासागर विज्ञान विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों की सात सदस्यीय समिति को 24 मई तक एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का काम सौंपा गया है।यह घटना पेरियार नदी में प्रदूषण संकट से निपटने के लिए प्रभावी उपायों की तत्काल आवश्यकता को उजागर करती है, जो कई स्थानीय निवासियों के लिए आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनेगा: चंद्रबाबू नायडू

नई दिल्ली । लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन को बहुमत मिलने के बाद दिल्ली में संसदीय दल की बैठक हुई और इसमें सभी ने नरेंद्र मोदी के नाम के प्रस्ताव पर अपनी मुहर लगा दी। इस बीच गठबंधन के साथी तेलगुदेशन पार्टी (टीडीपी) के नेता चंद्रबाबू नायडू ने प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के नाम का अनुमोदन कर समर्थन करने की बात कही। इस दौरान नायडू ने मोदी सरकार के बीते 10 साल के कार्यकाल की उपलब्धियों को गिनाकर बड़ा दावा किया। उन्होने कहा कि देश जल्द ही दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनने वाला है। नायडू ने दावा किया कि पिछले 10 साल में भारत में बड़ा बदलाव देखने को मिला है और भारतीय अर्थव्यस्था दुनिया में पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यस्था बनकर उभरी है। नायडू ने कहा कि देश की इकोनॉमी की ये तेज रफ्तार इसी गति से जारी रहेगी और पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत इस बार तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। नायडू ने कहा,हम सभी को बधाई दे रहे हैं, क्योंकि एनडीए ने शानदार बहुमत हासिल किया है। मैंने चुनाव प्रचार के दौरान देखा है कि 3 माह तक पीएम मोदी ने कभी आराम नहीं किया। उन्होंने दिन-रात प्रचार किया।

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में भारतीय विश्वविद्यालयों का प्रदर्शन सुधरा

- कार्यवाहक पीएम मोदी ने तारीफ कर दी बधाई

नई दिल्ली । मोदी सरकार 3.0 का कार्यकाल शुरु होने वाला है। इस बीच क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में भारतीय विश्वविद्यालयों के प्रदर्शन में सुधार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के शिक्षा क्षेत्र की तारीफ कर कहा कि उनकी सरकार के अगले कार्यकाल में अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा दिया जाएगा। पीएम मोदी ने कहा, पिछले एक दशक में हमने शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण बदलाव पर फोकस किया है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में यह परिलक्षित हुआ है। उनकी कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता के लिए छात्र, फैकल्टी और संस्थान प्रशंसा के पात्र हैं। प्रधानमंत्री ने क्यूएस क्वाकरेली साइमंड्स लिमिटेड के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक नुंजिओ क्वाकरेली के पोस्ट कोरी पोस्ट कर यह टिप्पणी की। अपने पोस्ट में क्वाकरेली ने लिखा है, पीएम मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 साल में क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग में भारतीय विश्वविद्यालयों के प्रदर्शन में लगातार सुधार हुआ है। वर्ष 2015 में रैंकिंग में 11 (भारतीय) संस्थान थे जिनकी संख्या 318 प्रतिशत बढ़कर 46 हो गई है जो जी20 में के सबसे अधिक है। उन्होंने इसके साथ प्रधानमंत्री कार्यालय को टैग किया है। रिपोर्ट में बताया गया था कि पिछले एक दशक में सूची में जगह पाने वाले भारतीय संस्थानों की संख्या 318 प्रतिशत बढ़कर जी20 देशों में सर्वाधिक हो गई है। वर्ष 2015 में इसमें 11 भारतीय संस्थान थे, जिनकी संख्या अब 46 हो गई है।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघ की मौत

बांधवगढ़ । उमरिया जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में संदिग्ध परिस्थिति में बाघ का शव मिला है। उसकी उम्र करीब 3 वर्ष बताई जा रही है। मामला बीटीआर के पनपथा बफर जोन का है। यहां बिरहुली करौंदिया गांव में गुरुवार शाम को किसान सोने लाल ने बाघों की लड़ाई की आवाज सुनी थी। इसके बाद किसान ने बीटीआर प्रबंधन में अधिकारियों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे अफसरों ने जांच शुरू की। दूसरे बाघ के मूवमेंट के चलते कार्रवाई को रोक दिया गया। शुक्रवार की सुबह टाइगर रिजर्व की टीम ने जंगल पहुंचकर डॉग स्क्वायड से सर्चिंग शुरू की। बाघ के शव कई हिस्से दूसरे बाघ ने खा लिए थे। बाघ के शव का पोस्टमार्टम करने के बाद उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

कमलनाथ का बयान....देख रहे हैं कि नायडू और नीतीश कुमार क्या कर रहे

नई दिल्ली । लोकसभा चुनाव के नतीजे के बाद शुक्रवार को इंडिया ब्लॉक में गहमागहमी का दौर जारी है। महाराष्ट्र के सांगली से निर्दलीय चुनाव जीतने वाले विशाल पाटिल ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात करके कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक को समर्थन देने का ऐलान किया। कांग्रेस नेता और पूर्व सीएम कमलनाथ कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास से रवाना हुए। उन्होंने कहा, मध्य प्रदेश और देश में मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की। क्या हो रहा है और क्या होना चाहिए, हमने इस पर चर्चा की। हम देख रहे हैं कि चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार क्या कर रहे हैं। यह मोदी सरकार नहीं है, यह एनडीए सरकार है। वे सभी एनडीए में एक साथ हैं, एनडीए में सभी की अपनी हिस्सेदारी है। मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में शनिवार को पार्टी मुख्यालय में कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक होगी।

सूअर की किडनी में आई दिक्कत....महिला के शरीर से निकाली गई

न्यूयॉर्क । अमेरिका में एक महिला की किडनी फेल होने के बाद सूअर की किडनी लगाई थी, जिसकी दुनियाभर में खूब चर्चा हुई थी। अब करीब 47 दिनों बाद डॉक्टर्स ने ट्रांसप्लांट की गई किडनी को निकाल कर महिला को किडनी डायलिसिस पर रखा है। डॉक्टर्स का कहना है कि ट्रांसप्लांट की गई सूअर की किडनी ब्लड फ्लो प्रॉपर न होने की वजह से डैमेज हो गई, इसकारण निकालने का फैसला किया गया। सूअर की किडनी ट्रांसप्लांट करने का यह दूसरा मामला था। इसके पहले एक शख्स में सूअर की किडनी लगाई गई थी, जिसकी महज 2 महीने बाद मौत हो गई थी। 54 वर्षीय लिसा पिसानो के शरीर में सुअर की किडनी ट्रांसप्लांट करने का कारनामा किया था। महिला ट्रांस्प्लांटेड किडनी के साथ 47 दिनों तक जिंदा रही, लेकिन इसके बाद किडनी डैमेज होने लगी और किडनी को निकालना पड़ा। महिला के शरीर ने किडनी को रिजेक्ट नहीं किया, लेकिन हार्ट पंप से ब्लड फ्लो सही नहीं मिला, जिसकी वजह से ऐसा करना पड़ा। फिलहाल महिला की स्थिति स्थिर है और उसका लेफ्ट वेंट्रियूलर असिस्ट डिवाइस काम कर रहा है। महिला को यह किडनी जेनेटिकली मोडिफाई किए गए सुअर से मिली थी। लिसा पिसानो दुनिया की पहली ऐसी मरीज हैं, जिनके मामले में हार्ट पंप देने के बाद किडनी ट्रांसप्लांट की गई थी। आनुवशिक रूप से मोडिफाइड सुअर से किडनी प्राप्त करने वाले पहले मरीज 62 वर्षीय रिचर्ड स्त्तेमैन थे, जिन्होंने मार्च 2024 में अमेरिकी राज्य बोस्टन में ट्रांसप्लांट कराया था। वे गंभीर बीमारी का सामना कर रहे थे और किडनी ट्रांसप्लांट के 2 महीने के बाद उनकी मौत हो गई।

दुनिया के दो करोड़ लोगों के पास है अकूत संपत्ति, कई देशों की जीडीपी से ज्यादा है इनके पास दौलत

नई दिल्ली। दुनिया में कई देश ऐसे हैं जहां खाने तक के लाले हैं लोग भुखमरी की कगार पर हैं। दुनिया में गरीबों की तादाद अरबों में है तो वहीं अरबों-खरबों रुपए चंद करोड़पतियों के पास है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि दुनिया में ऐसे अमीर लोग है जिनकी संपत्ति एक मिलियन अमेरिकी डॉलर है उनकी संख्या पिछले साल पांच फीसदी बढ़कर 22.8 मिलियन हो गई है। इसका मतलब है कि दुनिया में अमीरों की संख्या 2 करोड़ 20 लाख है। ये आंकड़े एक कंसल्टिंग फर्म ने जारी किए। रिपोर्ट के मुताबिक इन अमीर लोगों के पास मौजूद संपत्ति है, जो कि 86.8 खरब अमेरिकी डॉलर है। 2023 में इन 2 करोड़ 20 लाख अमीर लोगों की कुल संपत्ति 86.8 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गई, जो पिछले साल से 4.7 फीसदी ज्यादा है। भारतीय रुपयों में यह रकम 724.43 लाख करोड़ है। यह रकम कई छोटे देशों की जीडीपी से ज्यादा है तो कई बड़े मुल्कों की जीडीपी से दोगुना है। अब सवाल यह उठता है कि इन लोगों की दौलत इतनी क्यों बढ़ गई? इसका जवाब है शेयर मार्केट। शेयर मार्केट में उछाल के कारण उनकी किस्मत में भी उछाल आ गया है। दुनिया में पहले कभी इतने अमीर लोग नहीं थे और बढ़ते शेयर मार्केट में उनके निवेश ने उन्हें पहले से कहीं ज्यादा अमीर बना दिया है। न्यूयॉर्क के शेयर सूचकांक नैस्डैक 2023 में 43फीसदी बढ़ गया, जबकि एसएंडपी 500 में 24 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। पेरिस के शेयर मार्केट में 16फीसदी की बढ़ोतरी हुई जबकि फैंकफर्ट डीएएक्स में 20 फीसदी देखने को मिली। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि व्यापक आर्थिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव के कारण 2022 में इन अमीर लोगों की संख्या और उनकी संपत्ति में तीन फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद दुनिया में बढ़ती संपत्ति और असमानता ने अमीरों को कर चुकाने के मुद्दे पर बहस को हवा दी है। इस मामले में ब्राज़ील और फ्रांस ने साथी जी20 देशों पर दुनिया के सबसे धनी लोगों पर ग्लोबल मिनिमम टैक्स निर्धारित करने के लिए दबाव डाला है।

नेपाल ने 11 देशों से अपने राजदूत वापस बुलाए

काठमांडू। नेपाल सरकार ने 11 देशों से अपने राजदूत वापस बुला लिए हैं। इनमें भारत और अमेरिका में नेपाली कांग्रेस कोटे के तहत तैनात राजदूत भी शामिल हैं। ये फैसला नेपाली प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने पार्टी से गठबंधन तोड़ने और केपी शर्मा ओली से हाथ मिलाने के तीन महीने बाद लिया है। उप प्रधानमंत्री और विदेश मामलों के मंत्री नारायण काजी श्रेष्ठ की आपत्तियों के बावजूद, नेपाल सरकार ने गुरुवार को राजदूतों को वापस बुला लिया। इनमें भारत में तैनात नेपाल के राजदूत शंकर शर्मा भी शामिल हैं। नेपाल सरकार ने यह कदम नेपाली प्रधानमंत्री प्रचंड की रविवार को भारत की संभावित यात्रा से पहले उठाया है। जो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने भारत आ सकते हैं।

एवरेस्ट में मिले पांच कंकाल और 11 टन कचरा किया साफ , नेपाली सेना का पर्वत सफाई अभियान

काठमांडू । नेपाली सेना ने अपने लगभग दो माह लंबे पर्वत सफाई अभियान 2024 के तहत एवरेस्ट क्षेत्र से पांच पर्वतारोहियों के अवशेष और 11 टन कचरे को साफ किया है। नेपाली सेना ने माउंट एवरेस्ट 8848.86 मीटर की सबसे ऊंची चोटी, माउंट ल्होत्से और एवरेस्ट बेस कैंप के पास माउंट नुप्से क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया। नेपाली सेना ने 7 अप्रैल को अपने अभियान के घोषणा कर कहा कि इस पर्वत सफाई अभियान का उद्देश्य हिमालय में मानव निर्मित प्रदूषण पर नियंत्रण रखना है और पूरे इलाकों को गंदगी से बचाने के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन के इस दौर में पहाड़ों पर प्रदूषण बड़ी समस्या बन गया है। नेपाली सेना ने 11 अप्रैल से शुरू किए अपने सफाई अभियान शुरुआत में 10 टन कचरा साफ करने का लक्ष्य रखा था। सेना के मेजर आदित्य कार्की के नेतृत्व में अपनी 12 सदस्यीय टीम द्वारा माउंट पर भेजा था। टीम के साथ 18 सदस्यीय शेरपा टीम द्वारा मदद की गई थी। वहीं, विश्व पर्यावरण दिवस पर अभियान के सफल समापन का जश्न मनाने के लिए आयोजित कार्यक्रम के दौरान थल सेनाध्यक्ष प्रभु राम शर्मा ने कहा, प्रतिकूल मौसम और परिस्थितियों के बावजूद, लगभग 11,000 किलोग्राम कचरा, चार लाशें और एक कंकाल मिला। इस मौके पर सेना प्रमुख ने कचरा और मानव अवशेषों को इकट्ठा करने में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए शेरपा गाइडों सहित पर्वत सफाई अभियान के सदस्यों को भी सम्मानित किया।

अमेरिका में भारतीय धोखाधड़ी मामले में दोषी करार

वाशिंगटन । अमेरिका में एक भारतीय को टेलीफोन प्रोवाइडर और इंश्योरेंस कंपनी से ठगी के मामले में दोषी ठहराया गया है। शख्स ने लाखों डॉलर की धोखाधड़ी की थी। संदीप बेंगारा ने फर्जी पहचान के जरिए इस पूरे स्कैम को किया है। दरअसल, संदीप फर्जी दस्तावेज दाखिल कर सेल्युलर डिवाइसेस का रिप्लेसमेंट क्लेम करता था। बाद में इन डिवाइसेस को अमेरिका के बाहर बेच दिया करता था। रिपोर्ट में बताया गया कि संदीप को फेडरल कोर्ट ने मामले में दोषी पाया है। कोर्ट डॉक्यूमेंट्स में संदीप बेंगारा के कई नाम बताए गए हैं। जून 2013 से जून 2019 के बीच बेंगारा ने इस पूरे स्कैम को अंजाम दिया है। कोर्ट डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक, संदीप ने यूएस मेल सिस्टम और थर्ड पार्टी कैरियर का इस्तेमाल करके सेल्युलर फोन प्रोवाइडर और इंश्योरेंस कंपनियों के साथ फ्रॉड किया है।

स्पेस एक्स स्टारशिप बोका चिका लांच पैड से अपनी चौथी उड़ान पर रवाना हुआ। यहां से अंतरिक्ष यात्रियों का चंद्रमा पर भेजा जाता है।

तीसरी बार शपथ ले, विदेश यात्रा पर इटली जाएंगे पीएम मोदी

रोम । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 जून को तीसरी बार शपथ लेने के तुरंत बाद अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर इटली जाने के लिए तैयार हैं। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने जी 7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए निमंत्रण भेजा था, इस निमत्रंण को पीएम मोदी ने स्वीकार कर लिया है। जी7 देशों का शिखर सम्मेलन 13 से 15 जून तक पुगलिया में आयोजित किया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने बताया कि पीएम मोदी ने गुरुवार को इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी से बात कर जी7 शिखर सम्मेलन में निमंत्रण के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। इस दौरान पीएम मोदी और जॉर्जिया मेलोनी के बीच मुलाकात होगी।

इस साल जी7 की अध्यक्षता इटली कर रहा है। जी7 देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान शामिल हैं। यूरोपीय संघ इसमें अतिथि के रूप में वर्चा ले रहा है। अपनी यात्रा के दौरान पीएम मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और दूसरे जी7 नेताओं से मिलने वाले है।

जी7 शिखर सम्मेलन के अलावा प्रधानमंत्री मोदी को 15 से 16 जून तक स्विटजरलैंड में होने वाले यूक्रेन शांति शिखर सम्मेलन में भी औपचारिक रूप से आमंत्रित किया गया है। हालांकि, अभी यह तय नहीं है कि पीएम मोदी इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले हैं, या नहीं। रूस को इस सम्मेलन में आयोजित नहीं किया गया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिरि जेलेंस्की ने पीएम मोदी को चुनाव में जीत के बाद भेजे अपने बधाई संदेश में शांति शिखर सम्मेलन में भाग लेने का आग्रह किया था।

तीसरी बार अंतरिक्ष पहुंची सुनीता विलियम्स ने डांस कर मनाया जश्न

ह्यूस्टन (एजेंसी)। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान पर सवार होकर अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंचते हुए एक वायरल क्लिप में जोरदार डांस करते देखा गया। विलियम्स ने एक संक्षिप्त स्वागत समारोह के दौरान कहा, हम अंतरिक्ष में जाकर उतने ही खुश हैं जितना हो सकता है। दोनों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया और चौकी के वर्तमान सात निवासी चालक दल के सदस्यों- चार साथी अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री और तीन रूसी अंतरिक्ष यात्रियों ने गले लगाकर और हाथ मिलाकर उनका स्वागत किया।विलियम्स और विल्मोर लगभग आठ दिनों तक स्टेशन पर रहेंगे, फिर वापसी की उड़ान पर प्रस्थान करेंगे जो स्टारलाइनर को पृथ्वी के वायुमंडल के माध्यम से एक ञ्च पुनः प्रवेश पर ले जाएगा और यूएस डेजर्ट साउथवेस्ट में पैराशूट और एयरबैग-सहायता लैंडिंग के साथ समाप्त होगा, जो कि पहली बार होगा। एक चालक दल वाला नासा मिशन।

58 वर्षीय विलियम्स ने बुधवार को तीसरी बार अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी और अपनी पहली उड़ान में चालक दल वाले अंतरिक्ष यान का परीक्षण करने वाली पहली महिला बनकर इतिहास रच दिया। उन्होंने अपने साथी बुच विल्मोर के साथ अंतरिक्ष यान में उड़ान भरी।

जबकि विलियम्स उड़ान परीक्षण के लिए पायलट हैं, 61 वर्षीय विल्मोर मिशन के कमांडर हैं। सीएसटी-100 स्टारलाइनर फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से लॉन्च होने के बाद लगभग 27 घंटे की उड़ान के बाद गुरुवार को परिक्रमा मंच पर पहुंचा।जैसे ही नया स्टारलाइनर कैप्सूल और नासा का उद्घाटन दो सदस्यीय दल आईएसएस के साथ सुरक्षित रूप से पहुंचा, विलियम्स ने थोड़ा नृत्य करके और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को गले लगाकर अंतरिक्ष स्टेशन पर अपने आगमन का जश्न मनाया। नासा के एक लाइव वीडियो फीड में मुस्कुराते हुए नए आगमन को दिखाया गया, जो अपने नीले फ्लाइट सूट पहने हुए थे, एक के बाद एक, गद्देदार मार्ग से वजन रहित होकर स्टेशन में तैर रहे थे।

कनाडा में खालिस्तानियों का प्रदर्शन

टोरंटो । ऑपरेशन ब्लूस्टार की बरसी पर गुरुवार को खालिस्तानी तत्वों ने वैंकुवर में स्थित भारतीय कौंसुलेट के बाहर प्रदर्शन किया। कुल मिलाकर कनाडा में खालिस्तानियों की हरकत लगातार भारत की चिंताएं बढ़ा रही है। अलगाववादियों की हिम्मत और कनाडा में उन्हें मिल रहे बढ़ावे का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि वे भारतीय कौंसुलेट के बाहर जमा हुए। भारत विरोधी नारे लगाए।

वैंकुवर के अलावा टोरंटो में भी ऐसा ही प्रदर्शन हुआ। इसमें वहां जुटे लोगों के हाथों में खालिस्तानी झंडे थे और नारेबाजी कर रहे थे। भारत के एक वरिष्ठ राजनयिक ने कहा कि हम इस मामले में शिकायत करेंगे। बता दें कि 40 साल पहले भारतीय सेना ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में छिपे खालिस्तानियों के खिलाफ ऑपरेशन ब्लू स्टार चलाया था। स्वर्ण मंदिर में छिपे आतंकियों में जरनैल सिंह भिंडयवाले भी था।

खालिस्तानी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस के आह्वान पर ये प्रदर्शन हुए। इसका मुखिया गुरपतवंत सिंह पन्नू तो भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी हमले की धमकी दे चुका है। बीते साल खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की कनाडा में हत्या हो गई थी। इसके बाद से कनाडा और भारत के रिश्ते बिगड़े हुए हैं। इस हत्या में कनाडा ने भारतीय एजेंट्स का हाथ बताया था। इस पर भारत ने ऐतराज जताया था और कहा था कि यदि आपके पास सबूत हैं तो दें। अब तक कनाडा इस मामले में कोई सबूत नहीं पेश कर सका है, लेकिन उसने 4 लोगों को गिरफ्तार जरूर किया है।

सूडान में हुए हमले में 50 से अधिक लोगों की मौत

सूडान । सूडान के वद अल-नूरा गांव में रैपिड सपोर्ट फोर्स (आर.एस.एफ.) द्वारा किए गए हमले में दर्जनों लोगों की मौत हो गई है। यह हमला सूडान के अन्न भंडार क्षेत्र में स्थित गांव पर किया गया, जिससे एक साल से चल रहे क्रूर युद्ध में बड़ी संख्या में नागरिक हताहत हुए हैं। हमला किए जाने के बाद लगभग 50 लोगों के शवों को सामूहिक अंतिम संस्कार के लिए रखा गया, जबकि सैकड़ों ग्रामीण उन्हें देख रहे थे। इस हमले में दर्जनों बच्चों सहित कम से कम 104 लोग मारे गए। इस हमले की सटीक परिस्थितियों पर विवाद है, लेकिन बड़ी संख्या में लोगों की मौत और सामूहिक दफन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर प्रसारित हुईं और न्यूयॉर्क टाइम्स द्वारा सत्यापित की गईं। इस हमले की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा की गई। सूडान में संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अधिकारी क्लेमेंटाइन एनक्वेटा-सलामी ने एक बयान में कहा, सूडान के संघर्ष के दुखद मानकों के अनुसार भी, वद अल-नूरा से उभरने वाली तस्वीरें दिल दहला देने वाली हैं। यूनिसेफ की प्रमुख कैथरीन रसेल ने कहा कि वह हिंसा में कम से कम 35 बच्चों के मारे जाने और 20 के घायल होने की रिपोर्ट से भयभीत हैं। उन्होंने युद्धरत पक्षों से अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का पालन करने का आह्वान किया। सूडान के सेना प्रमुख जनरल अब्देल फत्ताह अल-बुरहान ने गुरुवार को हमले में घायल ग्रामीणों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि सेना हत्याओं के लिए आर.एस.एफ. को कठोर जवाब देगी। यह गांव एक कृषि क्षेत्र में है जो कभी सूडान का अन्न भंडार था, लेकिन अब एक विशाल युद्ध का मैदान बन गया है।

रूस में 4 भारतीय मेडिकल छात्र डूबे, दो लड़के और दो लड़कियों की मौत

मॉस्को । रूस में सेंट पीटर्सबर्ग के पास एक नदी में चार भारतीय मेडिकल छात्र डूब गए और भारतीय मिशन उनके शवों को जल्द से जल्द उनके रिश्तेदारों के पास भेजने के लिए रूसी अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहे हैं। चारों छात्र में दो लड़के और दो लड़कियाँ, वेलिकि नोवगोरोड शहर में पास के नोवगोरोड स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे थे।

ब्रिटेन में विपक्षी लेबर पार्टी ने लगाया आरोप

-ऑपरेशन ब्लूस्टार की साजिश में शामिल थीं थैचर

- सत्ता में आए तो थैचर सरकार की भूमिका की जांच कराएंगे

मॉस्को (एजेंसी)। लंदन (ईएमएस) ब्रिटेन में 4 जुलाई को आम चुनाव होंगे। कई सर्वे में ये अनुमान लगाया गया है कि इस बार ब्रिटेन में लेबर पार्टी सरकार बना सकती है। इस बीच लेबर पार्टी ने घोषणा की है कि अगर इस चुनाव में उनकी जीत होती है तो सरकार बनाने के बाद वे 1984 में भारत में हुए ऑपरेशन ब्लू स्टार में ब्रिटिश सरकार की भूमिका की जांच कराएंगे। लेबर पार्टी की नेता एंजेला रेनॉर ने ब्रिटिश मीडिया से कहा कि ऑपरेशन ब्लूस्टार की 40 साल पूरे हो चुके हैं। हमारी पार्टी सिख समुदाय के साथ खड़ी है। हम उनकी मांग के मुताबिक लेबर पार्टी की सरकार बनने पर सच का पता लगाने की पूरी कोशिश करेंगे।

कोवेंट्री साउथ से लेबर उम्मीदवार जारा सुल्ताना ने दावा किया कि ऑपरेशन ब्लू स्टार घटना में ब्रिटेन की तत्कालीन पीएम रहीं मागरेट थैचर की भूमिका को हम सबसे छुपाया गया है। स्लाव से लेबर उम्मीदवार तनमनजीत सिंह धेसी ने पोस्ट कर लिखा कि इंदिरा गांधी ने स्वर्ण मंदिर परिसर पर हमला करने की अनुमति दी थी। अब तक इस घटना के पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पाया है। न ही ब्रिटिश सरकार ने इस घटना में तत्कालीन पीएम रहीं मागरेट थैचर की भूमिका की कोई जांच की है। धतनमनजीत सिंह ब्रिटिश संसद में पगड़ी पहनने वाले पहले सांसद थे।

ब्रिटिश एयर सर्विस ने मदद की थी

ये पहली बार नहीं है जब लेबर पार्टी के नेताओं ने ऑपरेशन ब्लू स्टार में थैचर सरकार की भूमिका की जांच की मांग की है। ये पिछले 10 सालों से ये मांग कर रहे हैं। दरअसल, 2014 में ऑपरेशन ब्लूस्टार घटना के 30 साल पूरे होने पर एक रिपोर्ट आई थी। इस रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अमृतसर के स्वर्ण मंदिर पर हुई भारतीय सेना की कार्रवाई में ब्रिटिश स्पेशल एयर सर्विस ने मदद की थी। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि तब ब्रिटिश एयर स्पेशल सर्विस कमांडर ने इंदिरा गांधी सरकार को स्वर्ण मंदिर में छुपे खालिस्तानियों को मारने की सलाह दी थी। ये सलाह जून 1984 में ऑपरेशन ब्लूस्टार लॉन्च होने से 3 महीने पहले दी गई थी। इंग्लैंड की एक संस्था 'सिख फेडरेशन यूके' ने ये रिपोर्ट तैयार की थी। रिपोर्ट्स में बताया गया था कि इससे जुड़ी जानकारियों को तब सीक्रेट रखा गया था। सारी फाइलें क्लासिफाइड लिस्ट में डाल दी गई थीं। हालांकि बाद में इसमें से कुछ फाइलें लीक हो गई थीं। इसके बाद 2014 में डेविड कैमरून की सरकार ने जांच का आदेश दिया था। साल 2014 में ब्रिटेन के विदेश सचिव विलियम हेग ने हाउस ऑफ कॉमन में बताया था कि ऑपरेशन ब्लू स्टार में ब्रिटिश सरकार की भूमिका बेहद 'लिमिटेड' थी। इसमें ब्रिटिश सरकार की भूमिका सिर्फ एक 'सलाह' देने तक थी।

अब इजरायल के खिलाफ स्पेन, अदालत में लगाई अर्जी

गाजा। स्पेन ने कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय न्याय अदालत में अर्जी देकर दक्षिण अफ्रीका द्वारा इजरायल के खिलाफ दायर मुकदमे में पक्षकार बनने की अनुमति मांगेगा। स्पेन के विदेश मंत्री ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की। दक्षिण अफ्रीका ने संयुक्त राष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय न्याय अदालत में दाखिल याचिका में इजरायल पर गाजा में जनसंहार करने का आरोप लगाया है।अदालत ने इजरायल को दक्षिणी गाजा के शहर रफह में सैन्य कार्रवाई तत्काल रोकने का आदेश दिया है लेकिन इजरायल ने आदेश का अनुपालन नहीं किया है। विदेश मंत्री जोस मैनयुल अल्बारेस ने मैड्रिड में कहा, ''हमने गाजा में जारी सैन्य कार्रवाई की वजह से यह फैसला लिया है। हम चाहते हैं कि गाजा और पश्चिम एशिया में शांति स्थापित हो और इसके लिए हमें अदालत में हर तरह का समर्थन करना चाहिए। इजरायल ने अपनी सेना द्वारा जनसंहार किए जाने से इनकार किया है। इजराइल के मुताबिक, वह पिछले साल अक्टूबर में दक्षिणी इजरायल पर हुए हमले के बाद केवल हमास को कुचलने के लिए अभियान चला रहा है। स्पेन पहला यूरोपीय देश है जिसने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका द्वारा अंतरराष्ट्रीय अदालत में दाखिल याचिका से जुड़ने की पहल की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि इजरायल ने गाजा पर सैन्य कारवाई के दौरान जनसंहार संधि का उल्लंघन किया है और बड़ी संख्या में आम लोगों की जान गई है। मैक्सिको, कोलंबिया, निकारागुआ, लीबिया और फिलिस्तीन पहले ही मुकदमे से जुड़ने की अर्जी दे चुके हैं।

पाकिस्तान समेत चार देश यूएनएससी के अस्थाई सदस्य बने

-पीएम शहबाज शरीफ बोले-यह पाकिस्तान के लिए खुशी के पल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। गरीबी और महंगाई से परेशान पाकिस्तान को सालों बाद खुश होने का अवसर मिला है। पाकिस्तान को यूनाइटेड नेशन सिक्योरिटी कार्उसिल का अस्थाई सदस्य चुना गया है। पाकिस्तान के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्यों के रूप में चुने गए चार देश और हैं- सोमालिया, डेनमार्क, ग्रीस और पनामा। इन देशों का कार्यकाल 2025 से शुरू होगा। पाकिस्तान को यूएनएससी में अस्थाई सदस्य चुने जाने से पीएम शहबाज शरीफ काफी खुश नजर आ रहे हैं। उन्होंने इसको पाकिस्तान के लिए गौरव का पल बताया है।

शहबाज शरीफ ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- 'यह खुश होने का समय है कि पाकिस्तान को 182 वोट मिले हैं और वह 2025-26 के कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के लिए चुना गया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर काम करने को उत्सुक है। हम राष्ट्रों के बीच शांति, स्थिरता और सहयोग को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका निभाते रहेंगे।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्यों के रूप में पांचों देशों को संयुक्त राष्ट्र महासभा में गुप्त मतदान द्वारा 1 जनवरी, 2025 से 31 दिसंबर, 2026 तक दो साल के लिए चुना गया है। अफ्रीकी और एशिया-प्रशांत देशों के लिए दो सीटों में से सोमालिया को 179 और पाकिस्तान को 182 वोट मिले। लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई देशों में पनामा को 183 वोट मिले, जबकि पश्चिमी यूरोपीय और अन्य देशों में डेनमार्क को 184 और ग्रीस को 182 वोट मिले।

बता दें कि पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में 8वीं बार चुना गया है। इस मौके पर पाकिस्तान ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर को बनाए रखने और युद्ध को रोकने और शांति को बढ़ावा देने के लिए हमेशा तत्पर रहेगा। पाकिस्तान वैश्विक समृद्धि के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने और मानवाधिकारों के लिए सार्वभौमिक सम्मान को बढ़ावा देने के लिए भी तत्पर है।

संपादकीय

दिल्ली के लिए पानी

जल संकट से पीड़ित राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के पक्ष में देश के सर्वोच्च न्यायालय का फैसला सुखद और स्वागतयोग्य है। न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश सरकार को दोटूक निर्देश दिया है कि वह दिल्ली को शुक्रवार को 137 क्यूसेक अतिरिक्त पानी प्रदान करे। यह प्रशंसनीय है कि हिमाचल प्रदेश सरकार अतिरिक्त पानी छोड़ने पर सहमत हो गई है। हरियाणा सरकार के वजीराबाद बैराज के जरिये यह पानी दिल्ली तक पहुंचेगा। गौर करने की बात है कि दिल्ली को उसके हिस्से का पानी मिलता रहा है, पर आबादी के साथ दिल्ली की जरूरतें भी बढ़ती जा रही हैं। अत- उसे अतिरिक्त पानी की जरूरत पड़ रही है। क्या दिल्ली में पानी का दुरुपयोग हो रहा है या क्या दिल्ली में आने वाले अतिरिक्त पानी का दुरुपयोग होगा? शायद सर्वोच्च न्यायालय को ऐसा ही लगता है, इसलिए न्यायालय ने दिल्ली सरकार को पानी की बर्बादी के खिलाफ चेतावनी भी दी है। वास्तव में, पानी की बर्बादी पर सभी राज्य सरकारों को ध्यान देना चाहिए। पानी की कमी आज की एक निर्मम सच्चाई है और इस कमी को दूर करने के लिए राज्य सरकारों को मिलकर प्रबंध करना चाहिए। इसमें अदालत के हस्तक्षेप की जरूरत कतई नहीं पड़नी चाहिए। गौर करने की बात है कि पिछले सप्ताह, दिल्ली सरकार ने हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश जैसे पड़ोसी राज्यों से पानी की अतिरिक्त आपूर्ति की मांग करते हुए सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया था। यह स्थिति प्रशंसनीय नहीं है, शासन-प्रशासन के स्तर पर ही ऐसे मामलों को मिल-जुलकर निपटाना चाहिए। न्यायालय के हस्तक्षेप को आमंत्रित करने से इन प्रदेशों के बीच परस्पर विश्वास कम होगा। बुनियादी रूप से जल की कमी पर सभी को मिलकर गौर करने की जरूरत है। भीषण गरमी के बीच दिल्ली लगभग हर साल जल की कमी से जूझती है। क्या दिल्ली के पास अपने जलाशय नहीं हैं? वर्षा-जल के संग्रहण की क्या व्यवस्था की गई है? क्या जल स्रोतों को संरक्षित करने, खासकर यमुना के संरक्षण के लिए किए गए प्रयास कारगर नहीं हैं? जल शोधन और जल के पुन- इस्तेमाल के लिए कितने कारगर कदम उठाए गए हैं? दिल्ली चूंकि राजधानी है, अत- जल संरक्षण के मोरचे पर उसे एक आदर्श स्थिति देश के सामने प्रस्तुत करनी चाहिए। जल संकट जैसी बुनियादी समस्या सिर्फ बड़े-बड़े सियासी दावों की वजह से दूर नहीं हो सकती। दिल्ली सरकार आज जिन राज्यों से पानी मांग रही है, उन्हीं राज्यों के साथ मिलकर उसे जलापूर्ति की स्थायी व्यवस्था बनानी चाहिए। वैसे, दिल्ली सरकार ने पानी की बर्बादी रोकने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। पानी बर्बाद करते हुए पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति पर 2,000 रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। निर्माण स्थलों या वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों पर किसी भी अवैध जल कनेक्शन को काटने का भी निर्देश दिया गया है। अवैध जल कनेक्शन एक बड़ी समस्या है, जल विभाग को पूरी ईमानदारी से जल की चोरी को रोकना चाहिए। वास्तव में, जल की चोरी करने वाले उसकी बर्बादी भी खूब करते हैं। आम तौर पर व्यावसायिक संस्थान और साधन संपन्न लोग भी जल का बेरहमी से दोहन करते हैं, अत- आम गरीब आदमी को जल का अभाव सर्वाधिक झेलना पड़ता है।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। तनाव व टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके पराक्रम तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। खान-पान में सावधानी रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुम्भ पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंध मिलेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मीन शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाई या पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

महासागरों में बढ़ते प्रदूषण को रोकना होगा

(लेखक -रमेश सर्राफ धमोरा)

(8 जून विश्व महासागर दिवस पर विशेष)

महासागर इस दुनिया में मनुष्य के जीवित रहने का एक प्रमुख कारण है। महासागर हमें पीने के लिए पानी और सांस लेने के लिए ताजी हवा प्रदान करता है। इसलिए महासागर प्रदूषण का मुद्दा महत्वपूर्ण है। हम अपने जीवन में बहुत कुछ महासागर पर निर्भर हैं। महासागर प्रदूषण एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। हमारे महासागरों में कचरा जमा हो रहा है लेकिन सवाल यह है कि कचरा कहाँ से आ रहा हैं।

आज जब विश्व की कुल जनसंख्या का 30 प्रतिशत तटीय क्षेत्रों में निवास करता है तो ऐसी स्थिति में महासागर उनके लिए खाद्य पदार्थों का प्रमुख स्रोत साबित हो सकते हैं। सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण होने के कारण महासागर अत्यंत उपयोगी हैं। पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व यहां उपस्थित वायुमंडल और महासागरों जैसे कुछ विशेष कारकों के कारण ही संभव हो पाया है। अपने आरंभिक काल से आज तक महासागर जीवन के विविध रूपों को संजोए हुए हैं। पृथ्वी के विशाल क्षेत्र में फैले अथाह जल का भंडार होने के साथ ही महासागर अपने अंदर व आसपास अनेक छोटे-छोटे नाजुक पारितंत्रों को पनाह देते हैं। जिससे उन स्थानों पर विभिन्न प्रकार के जीव-जंतु व वनस्पतियां पनपती हैं।

वर्तमान में मानवीय गतिविधियों का प्रभाव समुद्रों पर भी दिखाई देने लगा है। महासागरों के तटीय क्षेत्रों में दिनों-दिन प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। जहां तटीय क्षेत्र विशेष कर नदियों के मुहानों पर सूर्य के प्रकाश की पर्याप्तता के कारण अधिक जैव-विविधता वाले क्षेत्रों के रूप में पहचाने जाते थे। वहीं अब इन क्षेत्रों के समुद्री जल में भारी मात्रा में प्रदूषणकारी तत्वों के मिलने से वहां जीवन संकट में हैं। तेलवाहक जहाजों से तेल के रिसाव के कारण एवं समुद्री जल के मटमैला होने पर उसमें सूर्य का प्रकाश गहराई तक नहीं पहुंच पाता है। जिससे वहां जीवन को पनपने में परेशानी होती है और उन स्थानों पर जैव-विविधता भी प्रभावित होती है। हर साल जून 8 को दुनिया भर में विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है। 1987 में ब्रंटलैंड की एक रिपोर्ट में टिप्पणी की गयी थी की विश्व के जो महासागर हैं उन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसी रिपोर्ट से प्रेरित होकर कनाडा ने विश्व महासागर दिवस मानाने का प्रस्ताव रखा। 1992 में कनाडा के इंटरनेशनल सेंटर फॉर ओशन डेवलपमेंट ने इस दिवस को मानाने का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र के एक सम्मेलन अर्थ समिट में रखा था। 8 जून 2009 को पहला विश्व महासागर दिवस मनाया गया। इसके बाद से प्रतिवर्ष 8 जून को विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है। हर साल विश्व महासागर दिवस के अवसर पर विश्व में महासागर से जुड़े विषयों पर विभिन्न आयोजन किए जाते हैं। जो महासागर के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं के प्रति जागरूकता पैदा करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। महासागर हमारी पृथ्वी पर न सिर्फ जीवन के प्रतीक है बल्कि पर्यावरण संतुलन में भी प्रमुख भूमिका अदा करते है। पृथ्वी पर जीवन का आरंभ महासागरों से माना जाता है। महासागरो में असीम जैव विविधता का भंडार समाया है। पृथ्वी का लगभग 70 प्रतिशत भाग महासागरों से घिरा है। पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का लगभग 97 प्रतिशत जल महासागरों में समाया हुआ है। महासागरों की विशालता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यदि पृथ्वी के सभी महासागरों को एक विशाल महासागर मान लिया जाए तो उसकी तुलना में पृथ्वी के सभी महाद्वीप एक छोटे द्वीप से प्रतीत होंगे। महासागर खाद्य पदार्थों का एक प्रमुख स्रोत होने के कारण हमारी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। आज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की मदद से महासागरों से पेट्रोलियम सहित अनेक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधनों को निकाला जा रहा है। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन सहित अनेक मौसमी घटनाओं को समझने के लिए समुद्रों का अध्ययन भी महत्वपूर्ण है। पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति महासागरों में ही हुई है। आज भी महासागर जीवन के लिए आवश्यक परिस्थितियों को बनाए रखने में सहायक हैं। महासागर पृथ्वी के एक तिहाई से अधिक क्षेत्र में फैले हैं। इसलिए महासागरीय पारितंत्र में थोड़ा सा परिवर्तन पृथ्वी के समूचे तंत्र को अव्यवस्थित करने का सामर्थ्य रखता है।

प्रशांत महासागर पृथ्वी पर सबसे बड़ा महासागर है। पृथ्वी की सतह का यह लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा है। इस महासागर की गहराई 35 हजार फुट और इसका आकार ट्राईंगल यानि त्रिभुजाकार है। प्रशांत महासागर में करीब 25,000 द्वीप हैं। अटलांटिक महासागर क्षेत्रफल और विस्तार की दृष्टि से दुनिया का दूसरे सबसे बड़ा महासागर है। इसके पास पृथ्वी का 21 प्रतिशत से अधिक भाग है। अटलांटिक महासागर का आकार अंग्रेजी के 8 की संख्या के जैसा है। इस महासागर की कुछ वनस्पतियां खुद से चमकती हैं क्योंकि यहां सूर्य की रोशनी नहीं पहुंचती।

हिंद महासागर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा महासागर है। यह धरती का लगभग 14 प्रतिशत हिस्सा है। हिंद महासागर को रत्नसागर नाम से भी जाना जाता है। हिन्द महासागर इकलौता ऐसा महासागर है जिसका नाम किसी देश के नाम पर रखा गया है। अंटार्कटिका महासागरों में वैथा सबसे बड़ा महासागर है। इस महासागर को ऑस्ट्रल महासागर के नाम से भी जाना जाता है। इस महासागर में आइसबर्ग तैरते हुए देखे जाते हैं। अंटार्कटिका की बर्फीली जमीन के अंदर 400 से भी अधिक झीलें हैं। आर्कटिक महासागर पांच महासागरों में सबसे छोटा और उथला महासागर है। इसे उत्तरी ध्रुवीय महासागर भी कहते हैं। सर्दियों में यह महासागर पूर्णत: समुद्री बर्फ से ढका रहता है।

महासागरों में बढ़ता प्रदूषण चिंता का विषय बनता जा रहा

है। अरबों टन प्लास्टिक का कचरा हर साल महासागरों में समा जाता है। आसानी से विघटित नहीं होने के कारण यह कचरा महासागरो में जस का तस पड़ा रहता है। अकेले हिंद महासागर में भारतीय उपमहाद्वीप से पहुंचने वाली भारी धातुओं और लवणीय प्रदूषण की मात्रा प्रतिवर्ष करोड़ों टन है। विषैले रसायनों के रोजाना मिलने से समद्री जैव विविधता भी प्रभावित होती है। इन विषैले रसायनों के कारण समुद्री वनस्पति की वृद्धि पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने वाले परितंत्रों में महासागर की उपयोगिता को देखते हुए यह आवश्यक है कि हम महासागरीय पारितंत्र के संतुलन को बनाए रखें तभी हमारा भविष्य सुरक्षित रहेगा। अपने आरंभिक काल से आज तक महासागर जीवन के विविध रूपों को संजोए हुए हैं। पृथ्वी के विशाल क्षेत्र में फैले अथाह जल का भंडार होने के साथ महासागर अपने अंदर व आस-पास अनेक छोटे-छोटे नाजुक पारितंत्रो को पनाह देते हैं। जिससे उन स्थानों पर विभिन्न प्रकार के जीव व वनस्पतियां पनपती हैं। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में स्थित मैन्ग्रोव जैसी वनस्पतियों से संपन्न वन समुद्र के अनेक जीवों के लिए नर्सरी का काम करते हुए विभिन्न जीवों को आश्रय प्रदान करते हैं। महासागरों में पृथ्वी का सबसे विशालकाय जीव व्हेल से लेकर सूक्ष्म जीव भी मिलते हैं। एक अनुमान के अनुसार केवल महासागर के अंदर करीब दस लाख प्रजातियां उपस्थित हो सकती हैं।

हम सांस लेने के लिए जिस ऑक्सीजन का प्रयोग करते हैं। उसकी दस फीसद मात्रा हमें समुद्र से ही प्राप्त होती है। समुद्र में मौजूद सूक्ष्म वैक्टीरिया ऑक्सीजन का उत्सर्जन करते हैं जो पृथ्वी पर मौजूद जीवन के लिए बेहद जरूरी है। समुद्र में प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण की वजह से ये वैक्टीरिया पनप नहीं पा रहे हैं। जिसके कारण समुद्र में ऑक्सीजन की मात्रा भी लगातार घट रही है। यदि हम समय रहते नहीं चेते तो यह पशु-पक्षियों के साथ-साथ इंसानों के लिए भी बहुत बड़ा खतरा बन सकता है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

जलवायु परिवर्तन से बढ़ा एयर टर्बुलेंस का खतरा

मुकुल व्यास

हाल ही में आकाश में दो विमानों को टर्बुलेंस (वायुमंडलीय अस्थिरता) का सामना करना पड़ा। लंदन से सिंगापुर जाने वाली सिंगापुर एयरलाइंस की फ्लाइट में तीव्र टर्बुलेंस से एक व्यक्ति की दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई और कई अन्य बुरी तरह घायल हो गए। इस घटना के कुछ दिन बाद ही दोहा से डबलिन जा रहे कतर एयरवेज के विमान में टर्बुलेंस आने से 12 लोग घायल हो गए। सिंगापुर एयरलाइंस के विमान में आई भीषण टर्बुलेंस की शुरुआती जांच से पता चला है कि विमान 4.6 सेकंड में लगभग 54 मीटर नीचे गिर गया था। सिंगापुर के ट्रांसपोर्ट सेफ्टी इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो के प्रारंभिक निष्कर्षों में गुरुत्वाकर्षण बल में तेजी से परिवर्तन और ऊंचाई में गिरावट पाई गई। यह दूरी इटली के पीसा की झुकी हुई मीनार की ऊंचाई के लगभग बराबर है। इस घटना में संभवत: वे लोग घायल हुए जिन्होंने सीट बेल्ट नहीं पहनी थी। हवाई यात्रियों के लिए थोड़ी बहुत टर्बुलेंस एक आम अनुभव है। लेकिन हालिया स्तर की गंभीर घटनाएं दुर्लभ हैं, जब वे घटती हैं तो घातक हो सकती हैं। टर्बुलेंस हवा के अनियमित प्रवाह के कारण होती है, जिससे यात्रियों और चालक दल को अचानक साइड में और ऊपर की तरफ तगड़े झटके लगते हैं। एयर टर्बुलेंस की घटना कहीं भी हो सकती है, लेकिन कुछ मार्गों पर यह दूसरों की तुलना में कहीं अधिक आम है। जलवायु परिवर्तन से एयर टर्बुलेंस की संभावना बढ़ने और इसके और अधिक तीव्र होने की आशंका है। वास्तव में, कुछ शोध से संकेत मिलता है कि पिछले कुछ दशकों में टर्बुलेंस की स्थिति पहले से बदतर हो गई है। लगभग हर उड़ान किसी न किसी रूप में एयर टर्बुलेंस का अनुभव करती है। यदि कोई विमान दूसरे विमान के पीछे उड़ान भर रहा है या उतर रहा है तो पहले विमान के इंजन और पंखों के सिरों द्वारा उत्पन्न हवा पीछे वाले के लिए टर्बुलेंस का कारण बन सकती है। हवाई अड्डे के पास के क्षेत्र से गुजरने वाली तेज हवाओं के कारण एयर टर्बुलेंस हो सकती है। अधिक ऊंचाई पर विमान यदि किसी अन्य विमान के करीब उड़ रहा हो या तूफान की चपेट में आया हो तो भी टर्बुलेंस की घटना घट सकती है। एक अन्य प्रकार की एयर टर्बुलेंस जो अधिक ऊंचाई पर होती है, उसका पूर्वानुमान लगाना कठिन होता है। इसे क्लियर एयर टर्बुलेंस कहते हैं। जैसा कि नाम से स्पष्ट है, यह अदृश्य होती है। यह तूफान या बादलों जैसे किसी भी दृश्य संकेत से जुड़ी नहीं होती। नियमित टर्बुलेंस के विपरीत यह अचानक आती है और इससे बचना मुश्किल होता है। यह अक्सर गर्म हवा के ठंडी हवा की तरफ बढ़ने के कारण होता है। जलवायु परिवर्तन के कारण इसके बदतर होने की आशंका है। सबसे बुनियादी स्तर पर एयर टर्बुलेंस दो या दो से अधिक पवन संबंधित घटनाओं के टकराने का परिणाम है। ऐसा अक्सर पर्वत श्रृंखलाओं के पास होता है,क्योंकि भूभाग पर बहने वाली हवा ऊपर की ओर तेज हो जाती है। टर्बुलेंस की घटनाएं अक्सर जेट स्ट्रीम के किनारों पर भी होती हैं। जेट स्ट्रीम दरअसल दुनिया भर में ऊंचाई पर चक्कर लगाने वाली तेज हवाओं की पतली पट्टियां हैं। गति बढ़ाने के लिए विमान अक्सर जेट स्ट्रीम में यात्रा करते हैं लेकिन जेट स्ट्रीम में प्रवेश करते या छोड़ते समय कुछ टर्बुलेंस हो सकती है। अमेरिका में हर साल लगभग 65,000 विमान मध्यम टर्बुलेंस और लगभग 5,500 गंभीर टर्बुलेंस का सामना करते हैं। हालांकि यह संख्या बढ़ने वाली है। ब्रिटेन में यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग में वायुमंडलीय विज्ञान के प्रोफेसर पॉल विलियम्स का मानना है कि जलवायु परिवर्तन टर्बुलेंस को बदल रहा है। विलियम्स ने कहा, हमने कुछ कंप्यूटर सिमुलेशन चलाए और पाया कि आने वाले दशकों में गंभीर टर्बुलेंस दोगुनी या तिगुनी हो सकती है। संपूर्ण विश्व में टर्बुलेंस पैटर्न का मानचित्रण करना संभव है। वैकल्पिक

हवाई अड्डों या आपात स्थितियों के लिए अग्रिम योजना बनाने के लिए एयरलाइंस इन मानचित्रों का उपयोग करती हैं। मौसम की स्थिति के साथ टर्बुलेंस बदलती है। कुछ क्षेत्रों और मार्गों पर दूसरों की तुलना में इसका खतरा अधिक होता है। टर्बुलेंस वाले अधिकांश मार्ग पहाड़ों के करीब से गुजरते हैं। पिछले साल प्रकाशित एक अध्ययन में 1979 और 2020 के बीच क्लियर टर्बुलेंस में बड़ी वृद्धि का प्रमाण मिला। कुछ स्थानों पर गंभीर टर्बुलेंस में 55 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई। वर्ष 2017 में एक अलग अध्ययन में जलवायु मॉडलिंग का उपयोग करके यह अनुमान लगाया गया कि कुछ जलवायु परिवर्तन परिदृश्यों के तहत, 2050 तक क्लीयर एयर टर्बुलेंस में चार गुना वृद्धि आम हो सकती है। टर्बुलेंस का पता लगाने की तकनीक अभी भी अनुसंधान और विकास के चरण में है। इसलिए पायलट अपने उड़ान पथ से ठीक पहले उच्च स्तर की नमी वाले मौसम से बचने की कोशिश करते हैं। इसके लिए वे सर्वोत्तम योजना निर्धारित करने के लिए मौसम राडार से प्राप्त ज्ञान का उपयोग करते हैं। जब उन्हें अत्यंत तीव्र टर्बुलेंस का सामना करना पड़ता है, तो वे तुरंत सीट बेल्ट बांधने के संकेत चालू कर देते हैं और विमान को धीमा करने के लिए इंजन का जोर कम कर देते हैं। भू-आधारित मौसम विज्ञान केंद्र उपग्रहों की सहायता से मौसम के मिजाज को विकसित होते हुए देख सकते हैं। वे वास्तविक समय में उड़ान कर्मियों को यह जानकारी दे सकते हैं कि उनकी उड़ान के दौरान मौसम कैसा रहेगा। यदि अपेक्षित उड़ान मार्ग पर तूफान विकसित होता है तो इसमें अपेक्षित टर्बुलेंस के क्षेत्र भी शामिल हो सकते हैं। ऐसा लगता है कि दुनिया और अधिक टर्बुलेंस वाले समय की तरफ बढ़ रही है। एयरलाइंस विमानों और यात्रियों पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगी। लेकिन आम हवाई यात्री के लिए खास संदेश यह है कि वे सीट बेल्ट बांधने के निर्देश की अनदेखी न करें।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

विचार मंथन

सोशल मीडिया के डिजिटल प्लेटफॉर्म ने न्यूज़ चैनलों और प्रिंट मीडिया को दिखाई अपनी ताकत

(लेखक - सनत जैन)

भारत का लोकसभा चुनाव 2024 संपन्न हो गया है। इस चुनाव में डिजिटल मीडिया(सोशल मीडिया) ने अपनी ताकत का प्रदर्शन किया है। सत्तारूढ दल, इलेक्ट्रॉनिक न्यूज़ चैनल और प्रिंट मीडिया के भरोसे रहा सरकार की गुणगान करता रहा। सरकार और आम मतदाताओं तक सरकार के दावों को पहुंचाता रहा। वहीं डिजिटल मीडिया यूट्यूब के 46 करोड लोगों तक सत्य एवं सूचनाओं को भी प्रमुखता के साथ पहुंचाता रहा। सोशल मीडिया के यूट्यूब प्लेटफार्म पर ऐसे पत्रकार थे, जो सूचनाओं का सही विश्लेषण कर रहे थे। वहीं ऐसे भी लाखों लोग थे, जो सूचनाओं को सोशल मीडिया के माध्यम से पहुंचाने का काम कर रहे थे। लगभग दो माह चुनाव अधिसूचना जारी होने से लेकर चुनाव संपन्न होने तक सोशल मीडिया और भारत के लगभग 230 टीवी चैनल तथा 5500 दैनिक समाचार पत्रों के बीच अघोषित युद्ध चलता रहा। जब चुनाव परिणाम आए उससे यह साबित हो गया। 2024 के लोकसभा चुनाव में डिजिटल मीडिया (सोशल)के माध्यम से विपक्ष की लड़ाई जनता और निर्भीक पत्रकारों ने सच को सामने लाने का काम किया। उसका असर इस चुनाव में देखने को मिला है। लोकसभा चुनाव में इस बार करीब 97 करोड़ मतदाता थे। इन तक जनमत बनाने और सभी किस्म की सूचनाओं को पहुंचाने का माध्यम सोशल मीडिया बना। 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की भ्रष्टाचार वाली छवि और भारतीय जनता पार्टी के आईटी सेल द्वारा जो युद्ध सोशल मीडिया के माध्यम से उस समय लड़ा गया था। उसका बड़ा प्रभाव हुआ था। कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों को राष्ट्रीय स्तर पर विशेष रुप में हिंदी भाषी राज्यों में बड़ा नुकसान हुआ था। 2024 के लोकसभा चुनाव में स्थिति पूरी तरह से बदल गई। सरकार का दबाव सभी 230 टीवी चैनल तथा अधिकांश बड़े छोटे समाचार पत्रों में समाचार में क्या छपेगा। इसका अप्रत्यक्ष दबाव होने से न्यूज़ चैनल और प्रिंट मीडिया वही दिखा, या छाप रहे थे। जो सरकारी तंत्र द्वारा उन्हें कहा जाता था। 1975 में जब आपातकाल लगा था और सेंसरशिप लगाई गई थी। उस समय आम जनता तक सही समाचार नहीं पहुंच रहे थे। आपातकाल की समाप्ति के बाद जब सेंसरशिप को खत्म किया गया। उसके बाद आम जनता में विशेष रूप से हिंदी भाषी राज्यों में प्रिंट मीडिया का बड़ा असर हुआ। 1977 के चुनाव में इंदिरा गांधी को सरकार हिंदी भाषी राज्यों में बुरी तरह से पराजित हुई। पहली बार केंद्र में गैर कांग्रेसी जनता पार्टी की सरकार बनी। लगभग वही स्थिति 2024 के लोकसभा चुनाव में देखने को मिली। इसमें जितने भी न्यूज़ चैनल और समाचार पत्र थे वह सरकार की ठकुर-सुहाती कर रहे थे। सरकार और जनता को वास्तविकता नहीं बता रहे थे। जिसके कारण आम मतदाताओं का भरोसा टीवी चैनल और समाचार पत्रों में कम हो गया। उसके स्थान पर यूट्यूब और सोशल मीडिया के अन्य प्लेटफार्म में आम जनता तक स्वतंत्र पत्रकारो द्वारा सत्य को पहुंचाने का काम किया। उसका असर आम मतदाताओं के बीच में देखने को मिला। इस बार उत्तर भारत और सीमावर्ती विभिन्न राज्यों में भाजपा को पराजय का सामना करना पड़ा है। मोबाइल फोन अब संचार का सबसे बड़ा माध्यम बन गया है। विश्वनीयता से खबर देने वाले डिजिटल चैनल और उनके पत्रकारों का भरोसा आम जनता के बीच में बढ़ा है। वहीं टीवी चैनलों पर भरोसा खत्म हुआ है। सोशल मीडिया में लगभग 46 करोड लोग प्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में डिजिटल मीडिया ने अपनी ताकत प्रदर्शित कर दी है। सोशल मीडिया का यह परिवर्तन आम आदमी के बीच बड़ा असरकारी प्रमाणित हुआ है। सोशल मीडिया में स्वतंत्र पत्रकारों के लिए डिजिटल मीडिया एक मंच बन गया है।

जिसने मीडिया हाउस की कॉन्सेप्ट भी को भी खत्म कर दिया है। सोशल मीडिया में एक व्यक्ति भी मीडिया जो काम हाउस करता था, सोशल मीडिया में वह एक व्यक्ति कर पा रहा है। उसमें रवीश कुमार और पीएम 4 चैनल के दर्शकों ने मीडिया में आए हुए बदलाव को इस चुनाव में साबित कर दिया है। विपक्ष भी अपना पक्ष अच्छे तरीके से सोशल मीडिया के माध्यम से दर्शकों तक अपनी बात पहुंचाने में सफल रहा है। वहीं सत्ता पक्ष से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक न्यूज़ चैनल अपनी विश्वसनीयता को बनाए रखने में विफल साबित रहे। जिसका खामियाजा केंद्र की मोदी सरकार को भुगतना पड़ा है। 2024 के लोकसभा चुनाव ने आम जनता के बीच डिजिटल क्रांति को पहुंचा दिया है। इससे भारतीय लोकतंत्र और भी मजबूत हुआ है। डिजिटल मीडिया में जिस तरह का विद्रोह वर्तमान सरकार के बारे में देखा जा रहा था। उसने कम्युनिकेशन और मीडिया हाउस के तंत्र और राजनी ति के वर्तमान स्वरुप को कड़ी चोट पहुंचाई है। डिजिटल मीडिया में जिस तरह से नागरिकों और पत्रकारों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई है। निश्चित रूप से उससे लोकतंत्र मजबूत होगा। भ विष्य में सोशल मी डिया का प्रभाव आम जनता के बीच और बढ़ेगा।

टिकाऊ खेती में खरपतवार नियंत्रण का महत्व

देश की बढ़ती हुई जनसंख्या के साथ खाद्यान्नों की मांग को पूरा करना एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। गेहूं एवं धान खाद्यान्न की ऐसी फसलें हैं, जिनमें गरीबी और भुखमरी की समस्या से लड़ने की अद्भुत क्षमता है। धान, गेहूं, जौ, मक्का, ज्वार, बाजरा हमारे देश की खरीफ की प्रमुख खाद्यान्न फसल हैं। अधिक पैदावार देने वाली खाद एवं सिंचाई का अधिक उपयोग करने में एवं उन्नत किस्मों के प्रचलन से लगभग पिछले 2 दशकों में अनाज वाली फसलों एवं दलहन एवं तिलहन की पैदावार में व्यापक वृद्धि हुई है। फिर भी इसकी औसत पैदावार इसकी क्षमता से काफी कम है। उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लिये सुधरी खेती की सभी प्रायोगिक विधियों को अपनाना आवश्यक है और जब तक हम उन वैज्ञानिक तरीकों को नहीं अपनाते हैं, उपज में आपेक्षित वृद्धि संभव नहीं है।

देश की तेज गति से बढ़ती हुई जनसंख्या के भरण-पोषण के लिये प्रति इकाई क्षेत्र समय एवं साधन से अधिक से अधिक उत्पादन करना नितांत आवश्यक है। इसके लिये सघन कृषि प्रणाली अपनाने के साथ-साथ उत्तम किस्म का चुनाव, सही समय पर बुवाई, संतुलित मात्रा में पोषक तत्व देना, उचित समय पर सिंचाई करना, फसल को कीड़ों, बीमारियों एवं खरपतवारों से बचा कर रखना बहुत जरूरी है जिससे न केवल फसल की पैदावार बढ़ेगी, वरन उत्पादन कारकों की क्षमता भी बढ़ेगी तथा किसान की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

खरपतवारों से हानियां

- खरपतवार जो उपलब्ध पोषक तत्वों, नमी, प्रकाश एवं स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं तथा फलस्वरूप फसल की पैदावार एवं गुणवत्ता में भारी कमी ला देते हैं।
- खरपतवार फसल में लगने वाले रोगों के जीवाणुओं एवं कीट-व्याधियों को भी आश्रय देते हैं।
- एक अनुमान के अनुसार खरपतवार विभिन्न फसलों की पैदावार में 33 प्रतिशत तक की कमी करने की क्षमता का ध्यान में रखकर कहा जा सकता है कि वर्तमान की संभावित उत्पादन स्तर में ही खाद्यान्न की 103 मिलियन टन, दलहन की 15 मिलियन टन एवं तिलहन की 10 मिलियन टन की कमी हो रही हैं।

प्रमुख खरपतवार

इन फसलों में प्रभावी खरपतवार नियंत्रण के लिये उसमें उगने वाले खरपतवारों की जानकारी होना अति आवश्यक है। खरीफ एवं रबी फसलों में उगने वाले खरपतवारों को मुख्यत: तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है।

खरपतवारों की रोकथाम कैसे करें

फसलों में खरपतवारों की रोकथाम निम्न तरीकों से की जा सकती है।

- स्टेल सीड बेड (बुवाई के पहले खरपतवारों को नष्ट करना) फसलों की बुवाई से पहले खाली खेत की हल्की सिंचाई करने से अधिकांश खरपतवार ऊग आते है। जब ये 2-3 पत्ती के हो जाएं तो उन्हें शाकनाशी (ग्लायफोसेट अथवा पैराक्वाट का 0.50 प्रतिशत घोल) द्वारा अथवा यांत्रिक विधि से जुताई करके नष्ट किया जा सकता है जिसे मुख्य फसल में खरपतवारों की संख्या में काफी कमी आ जाती है।

शुद्ध एवं साफ बीज का प्रयोग - बुवाई के समय खरपतवार रहित एवं प्रमाणित बीज का प्रयोग करके खरपतवारों की संख्या पर काबू पाया जा सकता है। कुछ फसल के बीजों को बुवाई के पहले छन्ने से साफ करने पर खरपतवारों के बीज आकार में छोटे होने के कारण नीचे गिर जाते हैं। जैसे गेहूं में गेहूं के मामा का बीज।

किस्मों का चुनाव एवं बुवाई विधि

जहां पर खरपतवार की रोकथाम के साधनों में कमी हो वहां पर फसल की ऐसी प्रजातियों का चुनाव करना चाहिए जिनकी प्रारंभिक बढ़वार खरपतवार की तुलना में अधिक हो। ऐसी प्रजातियों खरपतवारों से प्रतिस्पर्धा करके उन्हें नीचे दबा देती हैं। छिटकवां विधि के बजाय कतारों में बुवाई करने से खरपतवारों की संख्या में कमी पायी जाती है। तथा साथ ही साथ उनके नियंत्रण में भी आसानी रहती है।

जीरोटिलेज एवं फर्ब्स - धान-गेहूं फसल चक्र में धान की कटाई के तुरन्त बाद (बिना खेत की जुताई के) जीरो टिल मशीन से गेहूं की बुवाई करने पर 'फेलरिस माइनर' खरपतवार की संख्या में काफी कमी पाई गई है। इसके अतिरिक्त फर्ब्स मशीन द्वारा बनाई गई मेढ़ों पर गेहूं की बुवाई करने से भी फेलरिस माइनर की संख्या में काफी कमी आती है। ये विधियां हमारे देश के पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में काफी लोकप्रिय है।

उचित फसल चक्र अपनाकर - एक ही फसल को लगातार एक ही खेत में बोने से खरपतवारों की संख्या काफी अधिक हो जाती है। तथा उसके नियंत्रण में काफी परेशानी उठानी पड़ती है। अत: आवश्यक है कि एक फसल को बार-बार एक ही खेत में न बोया जाय तथा उचित फसल-चक्र अपनाया जाये। धान-गेहूं फसल चक्र में फेलरिस माइनर की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी पाई गई है। अत: इस फसल चक्र में गन्ना, बरसीम या आलू की खेती से इस खरपतवार में काफी कमी पाई गई है।

अन्तरवर्तीय फसलें उगाकर - कुछ फसलें जैसे मक्का जिनके कतारों के बीच की दूरी 60-90 सेंमी. तक होती है, खरपतवार आसानी से इन कतारों के बीच उगाकर फसल की पैदावार को कम कर देते हैं। इन कतारों के बीच यदि किसान भाई जल्दी बढ़ने वाली तथा कम समय की फसलें जैसे लोबिया, मूंग आदि को उगायें तो खरपतवारों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है तथा साथ ही साथ अतिरिक्त पैदावार भी मिल सकती है।

यान्त्रिक विधि - खरपतवारो पर काबू पाने की यह सरल एवं प्रभावी विधि है। दलहनी एवं तिलहनी फसलों में खरपतवार नियंत्रण के लिये खरपतवारनाशक दवाईयों के बजाय निकाई-गुड़ाई की सिफारिश की जाती है। इन फसलों में 30-35 दिन बाद एक बार निराई-गुडाई करके खरपतवारों पर प्रभावी ढंग से नियंत्रण पाया जा सकता है। कतारों में बोई गई फसलों में हो चलाकर भी खरपतवारों का नियंत्रण किया जा सकता है। परंतु यांत्रिक विधि से खरपतवार नियंत्रण में समय और मजदूर अधिक लगते हैं जिससे प्रति इकाई क्षेत्रफल में लागत अधिक आती है।

खरपतवारनाशी रसायनों का प्रयोग - समय को देखते हुए खरपतवारों का नियंत्रण शाकनाशी रसायनों द्वारा करने से जहां एक ओर खरपतवारों का उचित समय पर नियंत्रण हो जाता है वहीं दूसरी ओर लागत एवं समय की भी बचत होती है। लेकिन खरपतवारनाशकों का उपयोग करते समय यह ध्यान रखना होगा कि उसकी उचित सान्द्रता को उचित विधि द्वारा उपयुक्त समय पर प्रयोग करें ताकि इनसे समुचित लाभ प्राप्त हो सके।

ज्वार के प्रमुख रोग एवं प्रबंधन

अर्गट या गूंदिया रोग

रोग के लक्षण - दानों के बाहरी भाग पर गाढ़ा, रंगहीन अथवा हल्का गुलाबी चिपचिपा स्राव बूंदों के रूप में जमा होता है। बाजरा व इस्केमस घास इस रोगकारक के अन्य परपोषी हैं।

रोकथाम - खेत के आसपास अन्य परपोषी पौधों को हटा दें। रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देते ही कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम दवा 1 लीटर पानी घोलकर (0.2 प्रतिशत) छिड़काव करें।

कंडवा रोग

रोग के लक्षण - ज्वार की फसल में चार विभिन्न प्रकार के कंडवा रोग लगते हैं। इनका पता भुट्टा आने पर ही चलता है। आवृत कंडवा में भुट्टा के सारे बीज प्रभावित होते हैं जो काले रंग के चूर्ण में बदल जाते हैं। अनावृत कंडवा में भी सारे बीज प्रभावित होकर गांठे बनती है- जिस पर हल्की सफेद रंग की परत होती है। दीर्घ कंडवा में भुट्टा के कुछ दाने संक्रमित होकर लम्बी बेलनाकार संरचनाएं बनती हैं। शीर्ष कंडवा में पूरा भुट्टा ही एक गांठ के रूप में बदल जाता है।

शीर्ष कंडवा

रोकथाम - खेत में रोगग्रस्त सिट्टे दिखाई देते ही कागज या कपड़े की थैली से इन्हें ढककर काट लें व जलाकर नष्ट कर दें। बीजों की बुवाई पूर्व थाइरम 4 ग्राम या कार्बोक्सिन 2 ग्राम/किलो बीज दर से उपचारित करें।

पत्ती धब्बा रोग

रोग के लक्षण - ज्वार पर ग्यारह प्रकार के विभिन्न पत्ती धब्बा रोगों का आक्रमण होता है। ये रोग देशी किस्मों पर व्यापकता से फैलते हैं। ये पर्ण अंगमारी, लाल धब्बा, जोनेट धब्बा, टारगेट धब्बा, कज्जलीधारी, भूरा धब्बा, खुरदरा धब्बा, डेऊक्सेलेरा पत्ती झुलसा प्रमुखता से है।

रोकथाम - ये रोग बीजोढ़ होते हैं साथ ही फसल अवशेषों में जीवित रहते हैं अत: रोगग्रस्त अवशेषों को इकट्ठा कर जला दें। रोगग्रस्त फसल के बीज बुआई के काम में न लें। रोगरोधी किस्में जैसे सीएसवी 10,15,17, सीएचएच 5,6,9,14 की बुवाई करें। चारे के लिए देशी किस्में बोयें। कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम/ किलो बीज की दर से उपचारित करें। रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देने पर मैंकोजेब 0.2 प्रतिषत का छिड़काव करें।

चारकोल तना सड़न रोग

रोग के लक्षण - इस रोग से तने के निचले भाग अथवा जड़ों पर पहले हल्के रंग के बाद में काले रंग के धब्बे बनते हैं तथा उसमें सड़न प्रारंभ हो जाती है। बहुधा इस प्रकार के पौधे झुण्डों में होते हैं तथा सूखकर गिर जाते हैं, इससे उपज में बहुत अधिक हानि होती है।

रोकथाम - यह रबी की ज्वार में नमी कम होने पर अधिक होता है, अत: नमी का मृदा में संरक्षण करें। संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करें। प्रति हैक्टेयर पौधों की संख्या अधिक या बहुत कम नहीं होनी चाहिए। ऐसी किस्में जो दाना पकते समय हरी रहती हों बोनी चाहिए क्योंकि इनमें चारकोल तना सड़न नही आता है।

सरसों में व्याधि प्रबंध

रोग एवं कीट व्याधियों का प्रबंधन वैसे तो सरसों की फसल पर एक दर्जन से अधिक रोग व कीट हानि पहुंचाते हैं परंतु प्रमुख रोग एवं कीट के नियंत्रण से भरपूर पैदावार की जा सकती है।

पत्ती झुलसन रोग - यह सरसों के झुलसा रोग के नाम से भी जाना जाता है इस रोग के लक्षण पत्ती पर गहरे भूरे गोल-गोल धब्बों के रूप में आते हैं तथा उपज में कमी के साथ तेल की मात्रा भी कम करते हैं। बचाव हेतु मेन्कोजेब 45 नामक दवा 2.5 ग्राम /लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें 2-3 छिड़काव 15 दिन के अंतराल से करें।

श्वेत किट्ट या सफेद फफोला (व्हाइट रस्ट) रोग- शीत ऋतु में जब तापमान कम एवं कोहरा होने पर यह रोग बहुत तेजी से फैलता है इसके लक्षण पत्ती की निचली सतह पर सफेद दही जैसे संरचनाओं जैसे आकार के होते हैं बाद में पुष्प वृन्त एवं फलियों पर भी लक्षण दिखाई देते हैं फली अनियमित आकार की टेड़ी-मेड़ी केंकड़ा जैसी आकृति की हो जाती है नियंत्रण हेतु रिडोमिल एम जेड 72 नामक दवा 2 ग्राम/लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करें या 2.5 ग्राम मेन्कोजेब/लीटर पानी का छिड़काव 10-15 दिन के अंतराल पर दो बार करें।

चूर्णिल आसिता (पाउड्री मिल्ड्यू) - यह रोग तापमान बढ़ने पर अधिक तेजी से फैलता है रोग पत्तियों, तने व फलियों पर सफेद चूर्ण (पाउडर) जैसे संरचनाओं के रूप में फैलता है। नियंत्रण हेतु घुलनशील गंधक या सल्फैक्स 2 किलोग्राम दवा 800 लीटर पानी में घोल बनाकर/हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

तना सड़न या पोलियो रोग - एक ही खेत में बार-बार सरसों की फसल बोने से यह रोग बढ़ता है। इसके धब्बे सबसे पहले तने के निचले हिस्से में गोल-गोल आकृति के रूप में आते हैं, बाद में ऊपर तक फैल जाते हैं पौधा कमजोर होकर एवं तना पोला होकर रोगग्रस्त स्थान से टूट जाता है।

नियंत्रण हेतु - फसल चक्र अपनाएं एवं रोगग्रस्त पौधों को एकत्रित कर नष्ट करें गहरी जुताई करें, सरसों घनी न बोएं। बीजोपचार कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम दवा/किलो बीज के हिसाब से करें, तथा 1 ग्राम /लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर बुवाई के 50 दिन, 65 दिन एवं 80 दिन की फसल पर छिड़काव करें, 2 प्रतिशत लहसुन का अर्क बीजोपचार एवं छिड़काव दोनों के लिए उपयुक्त एवं रोग को कम करता है।

कीट नियंत्रण

दगीला बग/बगराड़ा कीट (पेन्टेड बग)- राई सरसों की फसल को यह कीट दो बार नुकसान पहुंचाता है जब पौधे छोटे होते हैं तब और जब फली बनती है तब, कीट के शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही इसे चूसते हैं जिसकी पत्तियों और पौधों पर सफेद धब्बे स्पष्ट दिखाई देते हैं नियंत्रण हेतु पौधों के अवशेषों को नष्ट कर दें। मेड़ों को साफ रखें, फसल काटने के तुरन्त बाद गहरी जुताई करें जिससे प्रकोप कम होगा। डायमिथियेट या मेटासिस्टाक्स 25 ई.सी. 500 मि.मी. दवा 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

माहू या चैंपा (एफिड) - इस कीट को लसा के नाम से भी जाना जाता है यह छोटे पंख एवं पंख रहित दोनों तरह के हरे, पीले रंग के होते हैं। कीट के शिशु एवं प्रौढ दोनों ही बढ़ने वाले भागों फूलों कलियों, फलियों आदि का झुण्डों में चिपककर रस चूसते हैं, पौधों की बढ़वार रुक जाती है। पैदावार एवं तेल की मात्रा पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है नियंत्रण हेतु समय पर बोनी करें, प्रकोप की प्रारंभिक अवस्था में कीट प्रभावित टहनियों को तोड़कर नष्ट कर दें डायमिथियेट या मेटासिस्टाक्स 25 ई.सी. 1 लीटर मात्रा 500 लीटर पानी में घोल बनाकर 15 दिन के अंतर से दो छिड़काव करें। मधु-मक्खियों की सुरक्षा के लिये कीटनाशकों का प्रयोग दोपहर के बाद करें।

आरबीआई ने थोक जमा सीमा बढ़ाकर तीन करोड़ की

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि उसने थोक सावधि जमा की सीमा दो करोड़ रुपये से बढ़ाकर तीन करोड़ रुपये कर दी है। थोक सावधि जमा पर खुदरा सावधि जमा की तुलना में थोड़ा अधिक ब्याज मिलता है, क्योंकि बैंक अपनी नकदी प्रबंधन प्रक्रिया के तहत अलग-अलग दरें देता है। अब अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों और लघु वित्त बैंकों (एसएफबी) के पास दो करोड़ रुपये तक की एकल रुपया सावधि जमा, खुदरा सावधि जमा का हिस्सा होगी। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने द्विमासिक नीति की घोषणा करते हुए शुक्रवार को कहा कि थोक जमा सीमा की समीक्षा के संबंध में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों और एसएफबी के लिए तीन करोड़ रुपये और उससे अधिक की एकल रुपया सावधि जमा के रूप में थोक जमा की परिभाषा को संशोधित करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा स्थानीय क्षेत्र बैंकों के लिए थोक जमा सीमा को एक करोड़ रुपये और उससे अधिक की एकल रुपया सावधि जमा के रूप में परिभाषित करने का भी प्रस्ताव है, जैसा कि आरआरबी (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक) के मामले में लागू है। कारोबार को सुगम बनाने के लिए आरबीआई ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) 1999 के तहत वस्तुओं व सेवाओं के निर्यात और आयात के लिए दिशानिर्देशों को युक्तिसंगत बनाने का प्रस्ताव भी किया है। दास ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार की बदलती स्थिति को देखते हुए तथा विदेशी मुद्रा विनियमन के प्रगतिशील उदारीकरण के अनुरूप वस्तुओं व सेवाओं के निर्यात और आयात पर मौजूदा फेमा दिशानिर्देशों को युक्तिसंगत बनाने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा` कि इससे कारोबार की सरलता को बढ़ावा मिलेगा। अधिकृत डीलर बैंकों को परिचालन में अधिक जुझारू क्षमता मिलेगी। हितधारकों की प्रतिक्रिया के लिए जल्द ही मसौदा दिशानिर्देश जारी किए जाएंगे।

हीरो मोटोकॉर्प खरीदेगी एथर एनर्जी में अतिरिक्त हिस्सेदारी

नई दिल्ली । हीरो मोटोकॉर्प 124 करोड़ रुपये में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन कंपनी एथर एनर्जी में 2.2 फीसदी अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदने पर विचार कर रही है। हीरो मोटोकॉर्प ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एथर एनर्जी के एक मौजूदा शेयरधारक से 2.2 प्रतिशत तक के अधिग्रहण के लिए अतिरिक्त शेयरों की खरीद की जा रही है। कंपनी ने कहा कि इस अधिग्रहण में 124 करोड़ रुपये तक का निवेश शामिल है और इसके 31 जुलाई 2024 तक पूरा होने की उम्मीद है। हीरो मोटोकॉर्प के पास फिलहाल एथर एनर्जी में 39.7 प्रतिशत हिस्सेदारी है। बेंगलुरु स्थित एथर एनर्जी इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र और चार्जिंग बुनियादी ढांचा से संबंधित डिजाइनिंग, विनिर्माण, उत्पादन, बिक्री, सर्विसिंग, सॉफ्टवेयर विकास और सॉफ्टवेयर प्रबंधन के क्षेत्र में है। बीते वित्त वर्ष 2023-24 में एथर एनर्जी की आय 1,753.8 करोड़ रुपये रही थी।

सरकार ने दो अफ्रीकी देशों को टूटे चावल के निर्यात की अनुमति दी

नई दिल्ली । सरकार ने सेनेगल और गाम्बिया को एनसीईएल के माध्यम से टूटे चावल का निर्यात करने के लिए 30 नवंबर तक का समय दे दिया है। भारत ने इन दो अफ्रीकी देशों के अनुरोध पर उन्हें टूटे चावल के निर्यात को मंजूरी दी है। केंद्र ने टूटे चावल के निर्यात पर आठ सितंबर, 2022 को प्रतिबंध लगा दिया था। सरकार ने इसके बाद 24 मई को इसमें संशोधन किया। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने 30 नवंबर, 2023 की अधिसूचना में संशोधन करते हुए कहा कि एनसीईएल के माध्यम से सेनेगल और गाम्बिया को पहले से अधिसूचित मात्रा के लिए टूटे हुए चावल के निर्यात की अवधि को 30 नवंबर, 2024 तक छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 651.5 अरब डॉलर के उच्च स्तर पर: दास

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार 31 मई तक 651.5 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया है। इससे पिछले सप्ताह 24 मई को यह 646.67 अरब डॉलर पर था। इसके बाद से कुल कोष में 4.83 अरब अमेरिकी डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। दास ने द्विमासिक नीति समीक्षा की घोषणा करते हुए अपने बयान में कहा` कि एक नई उपलब्धि, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 31 मई को 651.5 अरब अमेरिकी डॉलर के ऐतिहासिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। इससे पहले 17 मई को विदेशी मुद्रा भंडार का सर्वकालिक उच्चतम स्तर 648.7 अरब अमेरिकी डॉलर था। विदेशी मुद्रा भंडार को किसी भी बाह्य क्षेत्र की गड़बड़ी को झेलने में अर्थव्यवस्था की समग्र ताकत का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रमुख कारकों में से एक माना जाता है। दास ने कहा कि देश का बाह्य क्षेत्र जुझारू बना हुआ है। चालू खाते का घाटा (कैड), सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में बाह्य ऋण तथा शुद्ध अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति में सुधार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रमुख बाह्य संकेतकों में सुधार जारी है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर हमें

अपनी बाह्य वित्तपोषण आवश्यकताओं को आसानी से पूरा करने का विश्वास है। गवर्नर ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए चालू खाते का घाटा अपने टिकाऊ स्तर के भीतर रहने की संभावना है। उन्होंने प्रेषित धन, सेवा निर्यात और कम व्यापार घाटे से आने वाली मदद का संकेत दिया।

एयर इंडिया और विस्तारा के विलय को मिली मंजूरी

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने एयर इंडिया और विस्तारा के विलय को मंजूरी दे दी, जिससे दुनिया के सबसे बड़े विमानन समूहों में से एक के निर्माण का रास्ता साफ हो गया। नवंबर 2022 में घोषित विलय के बाद सिंगापुर एयरलाइंस की एयर इंडिया में 25.1 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। विस्तारा सिंगापुर एयरलाइंस और टाटा समूह का एक संयुक्त उद्यम है। एनसीएलटी की चंडीगढ़ पीठ ने 31 पन्नों के आदेश में टैलेस, एयर इंडिया और विस्तारा की संयुक्त व्यवस्था योजना को मंजूरी दे दी है। ये सभी टाटा समूह का हिस्सा हैं। एअर इंडिया को इस साल के अंत तक विलय की प्रक्रिया पूरी हो जाने की उम्मीद है।

चार जून को म्यूचुअल फंड प्रणाली में कोई तकनीकी गड़बड़ी नहीं थी: बीएसई

नई दिल्ली:

देश के प्रमुख शेयर बाजार बीएसई ने शुक्रवार को कहा कि बैंकों से भुगतान प्राप्त करने में देरी के कारण चार जून को म्यूचुअल फंड खरीदने वाले निवेशकों को एनएवी आवंटित करने में देरी हुई थी और उसकी तरफ से कोई भी तकनीकी गड़बड़ी नहीं हुई थी। कई निवेशकों ने सोशल मीडिया पर शिकायत की थी कि उन्हें चार जून को अपनी 'पोजिशन' को 'स्क्वेयर ऑफ' करने में परेशानी का सामना करना पड़ा था। कई निवेशकों ने कट-ऑफ समय से पहले अपने म्यूचुअल फंड खरीदे थे लेकिन उन्हें जो 'शुद्ध परिसंपत्ति मूल्य' (एनएवी) सौंपा गया, वह चार जून के बजाय पांच जून के लिए फंड का मूल्य निर्धारित करता है। इसकी वजह से ऐसे निवेशकों को बड़े पैमाने पर वित्तीय नुकसान का सामना करना पड़ा। इस पर बीएसई ने एक बयान में कहा, ''यह स्पष्ट किया जाता है कि चार जून को बीएसई क्लियरिंग हाउस (आईसीसीएल) में कोई तकनीकी गड़बड़ी नहीं हुई थी। पहली नजर में यही लगता है कि कुछ ग्राहकों के लिए भुगतान एग्रीगेटर/बैंक से क्रेडिट/ भुगतान का विवरण पाने में देरी हुई, जिससे एनएवी आवंटन में देरी हुई।' कई ब्रोकिंग फर्मों ने चार जून को बीएसई के म्यूचुअल फंड आवंटन प्रणाली में गड़बड़ी का आरोप लगाया था। इस कारण ऑर्डर अगले दिन (पांच जून) को जारी हुए लेकिन उस समय तक इक्विटी बाजारों ने अपने नुकसान की कुछ हद तक भरपाई कर ली थी। लोकसभा चुनाव के नतीजों के दिन चार जून को शेयर बाजार में भारी गिरावट आई थी जिसमें निवेशकों की 31 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति डूब गई। भाजपा को अपने दम पर स्पष्ट बहुमत न मिलने से सेंसेक्स 4,390 अंक यानी छह प्रतिशत की गिरावट के साथ 72,079 अंक पर बंद हुआ था। यह चार साल में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट थी।

शेयर बाजार में रौनक लौटी

सेंसेक्स 1618, निफ्टी 498 अंक उछला

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। सरकार गठन की उम्मीदें पक्की होने से बाजार में एक सकारात्मक माहौल से भी निवेशकों का भरोसा लौटा है। इसके साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के चालू वित्त वर्ष के लिए विकास दर 7 फीसदी से बढ़ाकर 7.2 फीसदी किये जाने से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स आज कारोबार के दौरान 1,720 अंक से ज्यादा उछलकर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद अंत में सेंसेक्स 1618.85 अंक करीब 2.16 फीसदी ऊपर आकर 76,693.36 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 2.05 फीसदी तकरीबन 468.75 अंक की बढ़त लेते हुए 23,290.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा इंट्रा-डे कारोबार के दौरान निफ्टी भी 498.8 अंक बढ़कर 23,320.20 अंक के

रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। आज कारोबार के दौरान सभी कंपनियों के शेयर लाभ के साथ बंद हुए। महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर सबसे ज्यादा 5.83 फीसदी ऊपर आये। इसके साथ ही विप्रो, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, टाटा स्टील, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, अल्ट्रा सीमेंट, टाइटन, टाटा मोटर्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी लाभ में रहे। आरबीआई ने सकल घरेलू उत्पाद की विकास दर 7 फीसदी से बढ़ाकर 7.2 फीसदी कर दी है जबकि प्रमुख उधार दर रेपो रेट को उम्मीद के अनुसार ही 6.5 फीसदी पर बनाये रखा है। इससे पहले आज सुबह बाजार के प्रमुख इंडेक्स ने धीमी शुरुआत की, लेकिन थोड़ी देर में इसमें तेजी देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स 320 अंक उछलकर 75,394 के स्तर पर आ गया। वहीं एनएसई निफ्टी में भी 109 अंक बढ़कर 22,930 के लेवल पर कारोबार दर्ज` किया गया। विप्रो, टेक एम, इंफोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक, टाटा मोटर्स और बजाज ट्विन्स में 4 फीसदी तक की बढ़त देखी गई। दूसरी ओर, इंडसइंड बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, एलएंडटी, आईटीसी, कोटक बैंक और पावर ग्रिड बेंचमार्क में दबाव देखने को मिला।

रेपो रेट में नहीं किया गया बदलाव, 6.5 फीसदी पर बरकरार: शक्तिकांत दास

- होम लोन की ईएमआई में नहीं होगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की अगुवाई वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने शुक्रवार को नीतिगत दर यानी रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। यानी ब्याज दरों को अपरिवर्तित रखा है। इस तरह सस्ते कर्ज और कम ईएमआई के लिए लोगों को अभी और इंतजार करना पड़ेगा। इस बात की घोषणा आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने की। आरबीआई की एमपीसी ने 4-2 बहुमत से रेपो दर को 6.5 फीसदी पर अपरिवर्तित रखने का फैसला किया। दर-निर्धारण पैनल ने सहूलियत वापस लेने के रुख को भी बरकरार रखने का फैसला किया। रेपो दर वह ब्याज दर है जिस पर आरबीआई वाणिज्यिक बैंकों को धन की कमी होने पर ऋण प्रदान करता है। यह मौद्रिक अधिकारियों के लिए मुद्रास्फीति के दबावों को प्रबंधित करने के लिए एक उपकरण के रूप में कार्य करता है। एसबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक सीपीआई आधारित खुदरा मुद्रास्फीति मई में 5 फीसदी के आसपास रहने और जुलाई तक घटकर 3 फीसदी होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि अक्टूबर से 2024-25 के अंत तक मुद्रास्फीति 5 फीसदी से नीचे रहेगी। अप्रैल में खुदरा महंगाई दर 4.83 फीसदी दर्ज की गई। बाजार के जानकार ने कहा` कि रेपो दर को अपरिवर्तित रखने से संभावित घर खरीदारों के लिए सामर्थ्य बनाए रखने में मदद मिलेगी, जिससे आवास बाजार को समर्थन मिलेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह नीति रियल एस्टेट क्षेत्र में मांग बढ़ाने और समग्र आर्थिक विकास में योगदान देने के लिए महत्वपूर्ण है। सरकार ने आरबीआई को खुदरा मुद्रास्फीति को 4 फीसदी पर बनाए रखने का काम सौंपा है, जिसमें दोनों तरफ 2 फीसदी का मार्जिन रहेगा। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि ईंधन की कीमतों में गिरावट जारी है, खाद्य मुद्रास्फीति ऊंची बनी हुई है। उन्होंने कहा कि एमपीसी मुद्रास्फीति, विशेष रूप से खाद्य मुद्रास्फीति के बाहरी जोखिमों के प्रति सतर्क है, क्योंकि इससे अवस्फीति की राह में देरी हो सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक मुद्रास्फीति को भारतीय रिजर्व बैंक के लक्ष्य स्तर तक कम करने और मुद्रास्फीति की उम्मीद को स्थिर रखने ध्यान केंद्रित कर रहा है।

वीवो ने अपना नया इन्नोवेशन वीवो एक्स फोल्ड पेश किया

नई दिल्ली ।

स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी वीवो ने शुक्रवार को भारत में अपना नया इनोवेशन मेक इन इंडिया वीवो एक्स फोल्ड 3 प्रो को लांच करने की घोषणा की, जिसकी कीमत 159999 रुपए है। इस नए स्मार्टफोन से वनप्लस ओपन और सैमसंग गैलेक्सी जेड फोल्ड 5 को टक्कर मिल सकती है। वीवो एक्स फोल्ड 3 प्रो में 8.03 इंच का 2के ई7 एमोलेड डिस्प्ले है। एक्स फोल्ड3 प्रो में उद्योग-प्रथम कार्बन-फाइबर अल्ट्रा-टिकाऊ लाइटवेट हज है। स्क्रीन में पीक ब्राइटनेस, डॉल्बी विजन और एचडीआर 10 का सपोर्ट है। इसमें 6.53 इंच का एमोलेड कवर डिस्प्ले भी है, दोनों ही 120 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करते हैं। इसमें एलटीवीओ पैनल है, इसलिए कंटेंट के आधार पर रिफ्रेश रेट को 1हर्ट्ज से 120 हर्ट्ज के बीच एडजस्ट किया जाता है। अल्ट्रा-थिन ग्लास प्रोटेक्शन और आर्मर ग्लास कोटिंग के साथ, डिवाइस टिकाऊपन सुनिश्चित करता है। यह ऑक्टा-कोर स्नैपड्रैगन 8 जेन 3 एसओसी द्वारा संचालित है, जो 16जीबी तक एलपीडीडीआर5एक्स रैम और एक टीबी तक यूएफएस 4.0 स्टोरेज द्वारा समर्थित है। इसके अतिरिक्त, इसमें वीवो की कस्टम वी3 इमेजिंग चिप भी शामिल है। इसमें 5700 एमएच की बैटरी है।

मारुति वैगन आर को मिलने लगी कड़ी चुनौती

- इस कार ने छीना नंबर-1 का ताज

नई दिल्ली ।

भारतीय कार बाजार में बजट सेगमेंट की किंग रही मारुति वैगन आर को भी कड़ी चुनौती मिलने लगी है। अगर बीते महीने की बात करें तो मारुति स्विफ्ट ने एक बार फिर नंबर-1 की पोजीशन हासिल कर ली है। बता दें कि बीते महीने मारुति सुजुकी वैगन आर को पीछे छोड़ते हुए स्विफ्ट कुल 19,339 यूनिट बिक गई है। जबकि वैगनआर की मई 2024 में सबसे ज्यादा 17,850 यूनिट की बिक्री हुई। कंपनी ने हाल ही में स्विफ्ट के न्यू जनरेशन मॉडल को लॉन्च किया है। आइए जानते हैं मारुति सुजुकी स्विफ्ट के फीचर्स, पावरट्रेन और कीमत के बारे में विस्तार से। अगर अपडेटेड मारुति सुजुकी स्विफ्ट के इंजन की बात करें, तो इसमें 1.2-लीटर 3-सिलेंडर ड्रेड-सीरीज पेट्रोल इंजन दिया गया है जो 82बीएचपी की अधिकतम पावर और 112 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। कार के इंजन को 5-स्पीड मैनुअल और ऑटोमेटिक गियरबॉक्स से जोड़ा गया है। कंपनी स्विफ्ट के पैट्रोल मैनुअल वेरिएंट में 24.8 किलोमीटर प्रति लीटर माइलेज देने का दावा करती है। जबकि मारुति स्विफ्ट के पैट्रोल ऑटोमेटिक वेरिएंट में 25.75 किलोमीटर प्रति लीटर माइलेज का दावा किया गया है।अपडेटेड मारुति स्विफ्ट के केबिन में आपको 9-इंच का टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, ऑटोमेटिक एसी, वायरलेस फोन चार्जिंग और कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी जैसे फीचर्स मिलते हैं। इसके अलावा, सेफ्टी के लिए कार में स्टैंडर्ड 6-एयरबैग, रियर पार्किंग सेंसर और रियर पार्किंग कैमरा जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

मार्केट में मारुति स्विफ्ट का मुकाबला हुंडई ग्रैंड आई10 नियोस से होता है। अपडेटेड मारुति सुजुकी स्विफ्ट की बुकिंग चालू और और इसकी डिलीवरी भी की जा रही है। कीमत की बात करें तो नई स्विफ्ट की एक्स-शोरूम कीमत 6.49 लाख रुपये से शुरू होकर लेकर टॉप मॉडल के लिए 9.64 लाख रुपये तक जाती है। बता दें कि भारतीय कार मार्केट में बेस्ट सेलिंग बनने के लिए कारों के बीच जबरदस्त उठापटक चल रही है। मार्केट में अब सस्ते दाम में बेहतर फीचर्स वाली एक से बढ़कर एक कारें आ गई हैं।

चीन का निर्यात मई में 7.6 फीसदी बढ़ा

हांगकांग ।

व्यवसाय में तनाव के बाद भी मई में चीन का निर्यात विश्लेषकों की उम्मीदों से अधिक रहा है। हालांकि इस दौरान उसके आयात में कमी आई है। सीमा शुल्क आंकड़ों के अनुसार, मई में निर्यात सालाना आधार पर 7.6 प्रतिशत बढ़कर 302.35 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। आयात 1.8 प्रतिशत बढ़कर 219.73 अरब डॉलर रहा, जो लगभग चार प्रतिशत की वृद्धि के अनुमान से कम है।मजबूत निर्यात के कारण चीन का व्यापार अधिशेष भी बढ़कर 82.62 अरब डॉलर हो गया है, जो अप्रैल में 72.35 अरब डॉलर था। चीन के निर्यात में वृद्धि ऐसे समय में हुई है जब उसे अमेरिका तथा यूरोप के साथ बढ़ते व्यापार तनाव का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका चीन निर्मित इलेक्ट्रिक कारों पर शुल्क बढ़ा रहा है जबकि यूरोप भी इसी तरह के शुल्क लगाने पर विचार कर रहा है। पिछले सप्ताह जारी एक आधिकारिक सर्वेक्षण के अनुसार मई माह में चीन में कारखाना गतिविधियां

अपेक्षा से अधिक धीमी रहीं। चाइना फेडरेशन ऑफ लॉजिस्टिक्स एंड परचेजिंग द्वारा जारी विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक अप्रैल के 50.4 से घटकर मई में 49.5 पर आ गया। इसके 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है।

टमाटर-आलू और प्याज के दाम बढ़ने से आम आदमी पर महंगाई की मार

नई दिल्ली ।

लोकसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पर महंगाई की मार भी जमकर पड़ी है। खासकर उन लोगों पर जो शाकाहारी हैं। भारत में एक वेजिटेरियन थाली की कीमत मई में (सालाना आधार पर) 9 प्रतिशत बढकर 27.8 रुपए हो गई है। पिछले साल मई 2023 में वेज थाली की कीमत 25.5 रुपए थी। क्रिसिल ने गुरुवार को जारी किए अपने फूड प्लेट कॉस्ट के मंथली इंडिकेटर में इस बात की जानकारी दी। क्रिसिल ने बताया कि वेजिटेरियन थाली की कीमत में पिछले महीने अप्रैल की तुलना में मई में 1 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली। अप्रैल में वेज थाली की कीमत 27.4 रुपए थी। वहीं नॉन-वेज थाली की कीमत मई में सालाना आधार पर 7प्रतिशत गिरकर 55.9 रुपए हो गई है। पिछले साल मई 2023 में नॉन वेज थाली की कीमत 59.9 रुपए थी। क्रिसिल ने नॉर्थ, साउथ, ईस्ट और वेस्ट इंडिया में मौजूदा फूड कीमतों के आधार पर घर में थाली तैयार करने की एवरेज कॉस्ट कैलकुलेट की है। मंथली चेंज से आम आदमी के खर्च पर असर पड़ता है। क्रिसिल के डेटा से अनाज, दालें, बॉयलर्स (चिकन), सब्जियां, मसाले, एडिबल ऑयल और कुकिंग गैस

सहित उन सामग्रियों का भी पता चलता है, जो थाली की कीमत में बदलाव लाते हैं। वेज थाली में रोटी, सब्जियां (प्याज, टमाटर और आलू), चावल, दाल, दही और सलाद शामिल होता है। वहीं नॉन-वेज थाली के लिए दाल की जगह चिकन को शामिल किया गया है

प्याज पर सबसे अधिक महंगाई की मार

क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, सालाना आधार पर टमाटर (39 प्रतिशत), आलू (41 प्रतिशत) और प्याज (46 प्रतिशत) की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण वेज थाली की कॉस्ट में ये ग्रोथ देखने को मिली है। सालाना आधार पर चावल (13 प्रतिशत) और दालों (21 प्रतिशत) की कीमतों में भी बढ़ोतरी देखने को मिली है। क्रिसिल ने बताया कि जीरा, मिर्च और वेजिटेबल ऑयल की कीमतों में गिरावट के कारण वेज थाली की कीमत में और ग्रोथ देखने को नहीं मिली।

फाक्सवैगन की दो कारों में मिलेंगे अब 6 एयरबैग

-टाइगुन एसयूवी और वर्टस सेडान स्टैंडर्ड 6 एयरबैग के साथ होगी पेश

नई दिल्ली ।

कार बनाने वाली कंपनी फॉक्सवैगन ने घोषणा की है कि वह अपनी दो कारों में दुर्घटना रोकने के लिए एयरबैग की संख्या बढाएगी। फाक्सवैगन अब अपनी टाइगुन एसयूवी और वर्टस सेडान को स्टैंडर्ड 6 एयरबैग के साथ पेश करेगी। कंपनी ने कहा है कि इन दोनों मॉडलों के सभी वैरिएंट्स में स्टैंडर्ड फीचर्स में 6 एयरबैग शामिल होंगे। इससे पहले, दोनों मॉडल अपने बेस मॉडलों में केवल दो फ्रंट एयरबैग से लैस थे। यह घोषणा स्कोडा कुशाक और स्लाविया की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए 6 एयरबैग का अपडेट देने के की खबरों के ठीक एक महीने के बाद आया है। टाइगुन और वर्टस के लिए 6 एयरबैग को स्टैंडर्ड करने के अलावा, फॉक्सवैगन ने भारत में अपनी बिक्री के बारे में कुछ रोचक जानकारियां भी दी हैं। इन दोनों मॉडलों ने (भारत 2.0 योजना के तहत विकसित) भारत में 1 लाख यूनिट की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। टाइगुन ने भारत 2.0 लाइनअप की कुल बिक्री में 60 प्रतिशत (1 लाख यूनिट से अधिक) का योगदान दिया। साथ ही, 40 प्रतिशत ग्राहकों ने टाइगुन और वर्टस के टॉप-स्पेक और स्पोर्टियर जीटी वेरिएंट को चुना है। टाइगुन और वर्टस दोनों ही कारों में वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले के साथ 10.1 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 8 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, ऑटोमैटिक एसी, वेंटिलेटेड और पावर्ड फ्रंट सीटें, एम्बिएंट लाइटिंग और सिंगल-पैन सनरूफ जैसी सुविधाएं दी गई हैं। स्टैंडर्ड तौर पर 6 एयरबैग के साथ-साथ, दोनों कारें इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, हिल होल्ड असिस्ट, रियर पार्किंग कैमरा और रियर पार्किंग सेंसर से भी लैस हैं। यह भी ध्यान रखना ज़रूरी है कि टाइगुन और वर्टस दोनों को ग्लोबल एनकैप क्रैश टेस्ट में 5 स्टार सुरक्षा रेटिंग मिली है।

टी20 विश्व कप में नीदरलैंड पर जीत के इरादे से उतरेगी दक्षिण अफ्रीका

न्यूयार्क (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्व कप में शनिवार को दक्षिण अफ्रीका की टीम ग्रुप डी के इस मैच में नीदरलैंड को हराने के इरादे से उतरेगी। दक्षिण अफ्रीका को इस मैच में इस डच टीम से सावधान रहना होगा क्योंकि वह उलटफेर करने में सक्षम है। डच टीम ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका को 50 ओवरों के विश्व कप मुकाबले में 38 रन से हराया था जिसका हिसाब भी वह बराबर करना चाहेगी।

श्रीलंका पर पहले मैच में मिली जीत से दक्षिण अफ्रीकी टीम के हौंसलें हालांकि बढ़े हुए हैं। एनरिक नॉर्त्जे के फॉर्म में रहने से भी टीम की गेंदबाजी बेहतर हुई है। नॉर्त्जे ने श्रीलंका के खिलाफ चार विकेट लिए। कागिसो रबाडा और नॉर्त्जे के रूप में दक्षिण अफ्रीका के पास तेज गेंदबाजों की बेहतरीन जोड़ी है जिनसे डच बल्लेबाजों पर वे अंकुश लगा सकते हैं। डच टीम ने पहले मैच में नेपाल को छह विकेट से हराया था। नीदरलैंड के लिए मैक्स ओ डाउड ने अर्धशतक जमाया जबकि तेज गेंदबाज टिम प्रिंगल और लोगान वान बीक ने तीन तीन विकेट लिए।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्करम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएट्जी, क्विंटन डि कॉक, ब्योर्न फोर्टुईन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नोर्किया, कागिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स।

नीदरलैंड : स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), आर्यन दत्त, बास डी लीडे, काइल क्लेन, लोगान वैन बीक, मैक्स ओडॉड, माइकल लेविट, पॉल वैन मीकेरेन, रयान क्लेन, साकिब जुल्फिकार, साइबांड एंजेलब्रेच, तेजा निदामनुरु, टिम प्रिंगल, विक्रम सिंह, विव किंगमा, वेस्ले बैरेसी।

टी20 विश्वकप : ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में होगा रोमांचक मुकाबला

ब्रिजटाउन। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट में शनिवार को गत चैम्पियन इंग्लैंड का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। ग्रुप बी के इस मैच में जीत के लिए इंग्लैंड को बेहतर गेंदबाजी करनी होगी। इंग्लैंड की टीम की गेंदबाजी स्कॉटलैंड के खिलाफ अच्छी नहीं रही थी। उस मैच में स्कॉटलैंड के बल्लेबाजी से आसानी से बल्लेबाजी की थी। इसी को देखते हुए इंग्लैंड को डेविड वॉर्नर और मार्कस स्टोइनिस जैसे खतरनाक ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के लिए बेहतर गेंदबाजी करनी होगी। इस मैच में जोफ्रा आर्चर को बेहतर गेंदबाजी करनी होगी। गेंदबाजों के अलावा इंग्लैंड के बल्लेबाजों को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। जोस बटलर ने आईपीएल 2024 में अच्छा प्रदर्शन किया है। वही दूसरी ओर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने पैट कमिंस के बिना भी ओमान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद को फाइनल तक ले जाने वाले कमिंस की जगह नाथन एलिस को उतारा गया था पर इस मैच में कमिंस को लाया जा सकता है। ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी ओमान के खिलाफ नहीं चल पायी थी और उसे जीत के लिए जमकर पसीना बहाना पड़ा था। ऐसे में इस मैच में उसे बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी। तब मार्कस स्टोइनिस ओर डेविड वार्नर ने उसे जीत दिलायी थी पर शीर्ष क्रम के अन्य बल्लेबाज विफल रहे थे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :-

ऑस्ट्रेलिया - मिशेल मार्श (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वार्नर, एडम जाम्पा। रिजर्व-जेक फ्रेजर-मैकगर्क, मैट शॉर्ट।

इंग्लैंड-जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, जोफ्रा आर्चर, जोनाथन बेयरस्टो, हैरी ब्रुक, सैम कुरेन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक्स, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपले, मार्क वुड।

सितंबर के बाद टेनिस कोर्ट में नजर नहीं आयेंगे नडाल

बार्सिलोना (एजेंसी)। स्पेन के टेनिस स्टार रफेल नडाल ने कहा है कि 2024 एटीपी टूर उनका आखिरी साल हो सकता है। नडाल के अनुसार वह सितंबर में बर्लिन में लीवर कप के बाद नहीं खेलेंगे। ऐसे में ये उनका अंतिम टूर्नामेंट हो सकता है। नडाल 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन रहे हैं। इससे बार्सीलोना ओपन में एलेक्स डि मिनोर के खिलाफ दूसरे दौर में हार के बाद कहा था कि यह शायद यहां उनका अंतिम मैच था। नडाल ने बार्सीलोना में अब तक 12 बार खिताब जीते हैं। इस खिलाड़ी ने कहा, ''अपने करियर के इस चरण में मैं वास्तव में वहां जाना चाहता हूं और मुझे दिए गए हर अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहता हूं।'' वह लंबे समय से चोटों से परेशान रहे हैं। इसी कारण उन्होंने इस साल केवल पांच प्रतिस्पर्धी मैच खेले हैं। गौरतलब है कि लीवर कप एक इनडोर हार्डकोर्ट पुरुष प्रतियोगिता है जो गोल्फ के राइडर कप के समान प्रारूप में विश्व टीम और यूरोप टीम के बीच खेली जाती है। नडाल ने कहा, ''मैं टीम यूरोप के लिए बर्लिन में लीवर कप खेलने को लेकर बहुत खुश हूं।'' उन्होंने कहा, ''मेरे पास लीवर कप के अनुभवों की कुछ विशेष यादें हैं जिनमें दो साल पहले अंतिम बार रोजर फेडरर के साथ खेलना भी शामिल है। नडाल को तब फेडरर ने अपना जोड़ीदार बनाया है।

भारतीय टीम को आईसीसी खिताब जीतने मानसिक बाधाओं को दूर करना होगा: पोंटिंग

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के अनुसार भारतीय टीम मानसिक दवाब के कारण पिछले एक दशक से आईसीसी खिताब नहीं जीत पायी है। पोंटिंग के अनुसार टीम को

अपने प्रशंसकों की अपेक्षाओं के बोझ से निपटन सीखना होगा। इस पूर्व कप्तान के अनुसार भारतीय टीम को आईसीसी खिताब का सूखा दूर करने के लिये मानसिक बाधाओं से पार निकलना होगा। भारतीय टीम ने अंतिम बार साल 2013 में चैम्पियंस ट्रॉफी के रूप में आईसीसी खिताब जीता था। उन्होंने कहा,'आपको स्पष्ट रहना होगा कि आपका ध्यान टूर्नामेंट पर है , ना कि बाहरी दबाव के बारे में चिंता करने पर या बहुत अधिक आगे की सोचने पर।'' उन्होंने कहा ,''भारतीय टीम में प्रतिभा की कमी नहीं है पर हमें यह भी नहीं भूलना चाहिये कि विश्व कप जीतना आसान नहीं होता। एक ही समय में दुनिया के सभी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी इसमें खेलते हैं।'' ऑस्ट्रेलिया को बतौर कप्तान 2003 और 2007 विश्व कप दिलाने वाले पोंटिंग ने कहा ,''इसका संबंध मानसिकता से है। आप दबाव का सामना कैसे करते हैं। दबाव के हालात में आप कैसे सोचते हैं, इसी में जीत और हार का अंतर होता है।'' उन्होंने कहा ,'' विश्व कप में आपके सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को हर समय अच्छा खेलना होता है। आस्ट्रेलियाई टीमें बड़े टूर्नामेंटों में सही समय पर अच्छा प्रदर्शन करना जानती रही हैं।'' इसी कारण ऑस्ट्रेलिया ने सही समय पर अच्छा प्रदर्शन करते हुए गत वर्ष एकदिवसीय विश्व कप जीता था। पोंटिंग का मानना है कि वेस्टइंडीज के हालात में खेलने के लिये भारतीय टीम के पास पर्याप्त प्रतिभा है।

अमेरिका से हार को पाकिस्तान क्रिकेट जगत ने 'काला दिन' करार दिया

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट जगत ने आईसीसी टी20 विश्व कप में पदार्पण कर रहे अमेरिका के हाथों शिकस्त को अप्रत्याशित करार देते हुए इसे टीम के लिए 'काला दिन' करार दिया। अमेरिका ने ड्लास के ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में सुपर ओवर तक चले मैच में पूर्व चैंपियन पाकिस्तान को हरा कर इस विश्व कप का सबसे बड़ा उलटफेर किया। पूर्व कप्तान यूनिस खान ने कहा कि पाकिस्तान की टीम ने इस मैच कई रणनीतिक गलतियां की, जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा।

यूनिस ने कहा, ''सुपर ओवर में जब बायें हाथ का गेंदबाज गेंदबाजी कर रहा था तब फखर जमां को स्ट्राइक लेनी चाहिये थी। कोई भी ऐसे बुरे दिन से सीख सकता है और मुझे उम्मीद है कि बाबर आजम और अन्य खिलाड़ी अब हर मैच को करो या करो के रूप में लेंगे।'' यूनिस के अनुसार सबसे निराशाजनक बात यह थी कि अमेरिका में पाकिस्तानी मूल के लोग बड़ी संख्या में रहते है, जो पूरे दिल से टीम का समर्थन कर रहे हैं। तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने टीम के प्रदर्शन को दयनीय बताया। उन्होंने कहा, ''ऐसा नहीं लग रहा था कि पाकिस्तान ऐसी टीम के खिलाफ खेल रहा है जिसे शीर्ष टीमों के खिलाफ ज्यादा खेलने का मौका नहीं मिला है।'' पूर्व सलामी बल्लेबाज मोहसिन खान ने कहा कि वह पाकिस्तान क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा, ''यह सिर्फ एक हार नहीं है, यह हमारे खिलाड़ियों की मानसिक कमजोरी को दिखाता है। मुझे नहीं पता कि क्या हो रहा है लेकिन कहीं न कहीं मुझे लग रहा है कि हमारे खिलाड़ियों ने अमेरिका को कमतर आंका था।'' मोहसिन 2010 से 2012 तक मुख्य कोच और मुख्य चयनकर्ता थे। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ आगामी मैच टीम के लिए करो या मरो मुकाबले की तरह हो गया है। मोहसिन ने कहा, ''हमें वह मैच हर हाल में जीतना होगा, नहीं तो हम सुपर आठ से बाहर हो जायेंगे।''

पाकिस्तान के सात विकेट पर 159 रन के जवाब में अमेरिका की टीम ने तीन विकेट पर 159 रन बनाये। इसके बाद सुपर ओवर में अमेरिका के 18 रन के जवाब में पाकिस्तान 13 रन ही बना पाया। क्रिकेट विश्लेषक ओमैर अलवी ने कहा, यह पाकिस्तान क्रिकेट इतिहास का एक काला दिन है। मेरा मतलब है कि हमारे खिलाड़ियों ने वह आत्मसम्मान और जुझारूपन नहीं दिखाया जिसके लिए वह जाने जाते है।'' अमेरिका के खिलाफ उलटफेर से पहले, पाकिस्तान हाल के दिनों में अफगानिस्तान, जिम्बाब्वे और आयरलैंड जैसी टीमों से भी हार गया है। पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद ने पहली बार इस स्तर पर खेलने के बावजूद उलटफेर करने के लिए अमेरिका की तारीफ की। उन्होंने कहा, '' आप अमेरिका की तुलना में हमारे अनुभव और प्रदर्शन को देखें। मैं धैर्य बनाए रखने और अनुशासन के साथ खेलने के लिए अमेरिका को पूरा श्रेय देता हूं। उन्होंने जो शानदार कैच लपके उससे मैच उनके पक्ष में हो गया।''

आगामी पेरिस ओलंपिक में जीत के इरादे से जाएंगे खिलाड़ी : तजिंदरपाल

नई दिल्ली । शीर्ष गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदरपाल सिंह तूर ने कहा है कि नीरज चोपड़ा के ओलंपिक स्वर्ण जीतने के बाद से ही भारतीय एथलीट की मानसिकता में बड़ा बदलाव आया है और खिलाड़ी अब अधिक आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। उन्हें लगने लगा है कि वे आगामी पेरिस ओलंपिक में केवल भाग लेने नहीं बल्कि जीत के लिए जा रहे हैं। तूर के अनुसार नीरज की सफलता से अब भारतीय खिलाड़ियों को अपने पर भरोसा होने लगा है और ये एक बड़ी उपलब्धि है। तूर का मानना है कि टोक्यो ओलंपिक के बाद भारतीय खिलाड़ियों का 'विश्वास बढ़ा' है और वे अपने को किसी भी मामले में विश्व के शीर्ष एथलीटों से कम नहीं मान रहे। एशियाई खेलों में दो बार स्वर्ण पदक विजेता रहे तूर ने कहा, '' टोक्यो ओलंपिक खेलों में नीरज के स्वर्ण पदक के बाद से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा है। हम में से हर कोई इसमें केवल भाग लेने के लिए नहीं जा रहा है। हम पदक जीतने के इरादे से वहां जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि आज मानसिकता में बड़ा बदलाव आया है। हम अपने आप को उन शीर्ष वैश्विक एथलीटों से कम नहीं समझते जिनके साथ हमें मुकाबला करना है। '' ये खिलाड़ियों में आया एक बड़ा बदलाव है।

सीएसके के हाई परफॉर्मेंस सेंटर को संभालेंगे अश्विन

नई दिल्ली । सीएसके के सीईओ कासी विश्वनाथन ने कहा है कि अनुभवी ऑफ स्पिनर आर अश्विन अब चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के हाई परफॉर्मेंस सेंटर की जिम्मेदारी संभलेंगे। विश्वनाथन ने कहा है कि 2009 से 2015 तक सीएसके टीम का हिस्सा रहे अश्विन भारत के साथ ही विदेशों में भी टीम की विभिन्न अकादमियों की कमान संभालेंगे। साथ ही कहा कि अश्विन महान खिलाड़ियों में से एक हैं और उनकी उपस्थिति से हाई परफॉर्मेंस केंद्र और हमारी अकादमियों को लाभ मिलेगा। अश्विन टेस्ट में 500 विकेट लेने वाले अनिल कुंबले के बाद दूसरे भारतीय गेंदबाज है। वह आईपीएल में 2009 से 2015 तक सीएसके टीम में शामिल रहे थे। इस साल बड़ी नीलामी होनी है और ऐसे में अगर अश्विन बोली का हिस्सा होते है तो सीएसके उन्हें अपनी टीम से जोड़ने का प्रयास करेगी। अश्विन साल 2022 सत्र से राजस्थान रॉयल्स टीम के सदस्य है। वहीं आईपीएल नीलामी में अश्विन को टीम से जोड़ने के बारे में पूछे जाने पर विश्वनाथ ने कहा कि नीलामी में चीजें हमारे नियंत्रण में नहीं होती है। हम इस बारे में बाद में देखेंगे। वहीं पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के भविष्य के बारे में पूछे जाने पर विश्वनाथ ने कहा कि इस बारे में केवल वही कोई फैसला ले सकते है।

पेरिस ओलंपिक से पहले प्रदर्शन में सुधार करना चाहेगी भारतीय हॉकी टीम

लंदन (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए भारतीय पुरूष हॉकी टीम इस सप्ताह के आखिर में जर्मनी और ब्रिटेन के खिलाफ एफआईएच हॉकी प्रो लीग के मुकाबलों में अपने प्रदर्शन में सुधार के इरादे से उतरेगी। भारत को शनिवार को विश्व चैम्पियन जर्मनी से खेलना है जबकि रविवार को ब्रिटेन से मुकाबला होगा। बेल्जियम चरण और लंदन में दो मैचों के बाद भारत 14 मैचों में 24 अंक लेकर चौथे स्थान पर है। जर्मनी छठे और ब्रिटेन सातवें स्थान पर है।

उपकप्तान हार्दिक सिंह ने कहा ,'' हमने कुछ अच्छी हॉकी खेली लेकिन कुछ क्षेत्रों में सुधार करना होगा। इन दो मैचों में हमारा लक्ष्य आक्रामक शुरूआत करने का होगा। हम अच्छी हॉकी खेलकर लय बनाये रखने की कोशिश करेंगे।'' बेल्जियम में भारत ने शूटआउट में अर्जेंटीना को हराया लेकिन बेल्जियम से 1 . 4 से हार गई।

बेल्जियम ने उसे शूटआउट में हराया जिसके बाद भारत ने अर्जेंटीना को 5 . 4 से मात दी। लंदन में भारत ने जर्मनी को 3 . 0 से हराया लेकिन ब्रिटेन से 1 . 3 से टीम हार गई। हार्दिक ने कहा ,'' पूरी टीम को पता है कि पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिये प्रो लीग के मैच कितने अहम है लिहाजा हम कोई कोर कसर बाकी नहीं रखेंगे।

लक्ष्य सेन के हार के साथ थाईलैंड ओपन से बाहर भारतीय चुनौती समाप्त

जकार्ता । स्टार शटलर लक्ष्य सेन की पुरुष एकल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में हार के साथ इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट में शुक्रवार को यहां भारत की चुनौती समाप्त हो गई। दुनिया में 14वें नंबर के खिलाड़ी सेन एक घंटे और एक मिनट तक चले मैच में दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन को कड़ी टक्कर देने के बावजूद 22-24, 18-21 से हार गए। दोनों खिलाड़ियों के बीच पांच मैचों में यह एंटोनसेन की तीसरी जीत है। सेन और एंटोनसेन के बीच पहले गेम में काफी करीबी मुकाबला देखने को मिला। डेनमार्क के खिलाड़ी ने 4-0 की बढ़त के साथ शुरूआत की लेकिन सेन ने वापसी करते हुए स्कोर 5-5 से बराबर किया और फिर 15-11 की बढ़त बना ली। अब वापसी करने की बारी एंटोनसेन की थी। उन्होंने लगातार अंक जीतते हुए स्कोर को 16-16 से बराबर किया। दोनों खिलाड़ी 22 अंक तक लगभग बराबरी पर रहे लेकिन एंटोनसेन ने लगातार दो अंक बनाकर पहले गेम को 32 मिनट में जीत लिया। दूसरे गेम में भी कड़ा संघर्ष जारी रहा और दोनों खिलाड़ी एक समय 18-18 की बराबरी पर थे। सेन की गलतियों का फायदा उठाकर डेनमार्क के खिलाड़ी ने लगातार तीन अंक बनाये और मैच जीत लिया। सेमीफाइनल में एंटोनसेन का मुकाबला आठवीं वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसार्न से होगा।

श्रीलंका के खेल मंत्री का आरोप, कहा- टी20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान को मिल रही तरजीह

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के आगाज हुए कुछ ही दिन हुए हैं लेकिन टूर्नामेंट अभी से विवादों में आ गया है। पहले न्यूयॉर्क पिच और अब श्रीलंका के खेल मंत्री हरिन फर्नांडो ने भारत और पाकिस्तान जैसी मजबूत टीमों को टी20 वर्ल्ड कप में मिल रही तरजीह को लेकर आलोचना की है। दरअसल, ये मामला श्रीलंकाई टीम द्वारा अनुचित शेड्यूलिंग की शिकायत के बाद सामने आया है क्योंकि उन्हें अपने ग्रुप स्टेज मैच खेलने के लिए चार अलग अलग जगहों की यात्रा करनी पड़ी। जैसे कि ये पर्याप्त नहीं था, अब उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ अपने दूसरे मैच के लिए ड्लास पहुंचने में 7 घंटे की देरी का सामना करना पड़ा। श्रीलंका के खेल मंत्री हरिन फर्नांडो ने संसद को बताया कि, श्रीलंका क्रिकेट ने आईसीसी से शिकायत की है। कई देशों के साथ अलग-अलग व्यवहार किया जा रहा है। हमने टूर्नामेंट के आयोजकों से स्पष्टीकरण मांगा है। टीम के सबसे वरिष्ठ सदस्य और पूर्व कप्तान एंजेलो मैथ्यूज ने भी इस बारे में बात की। उन्होंने अभ्यास सुविधाओं उड़ान में देरी और अन्य बाधाओं के बारे में शिकायत की, जो श्रीलंका के खिताब की दौड़ को पटरी से उतार सकती हैं। एंजेलो मैथ्यूज ने कहा कि, अभ्यास सुविधाएं अच्छी नहीं हैं। विकेट अच्छे नहीं हैं। पिचले चार से पांच दिन हमारे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रहे हैं। हमें अभ्यास रद्द करना पड़ रहा है क्योंकि उड़ान में देरी हुई। हम इसे बहाने के तौर पर इस्तेमाल नहीं करने जा रहे हैं, हम एक ऐसी टीम हैं जिसने बाधाओं के बावजूद जीत हासिल की है।

टी20 विश्वकप : फखर सहित इन तीन पाक बल्लेबाजों से भारतीय टीम को रहना होगा सावधान

मुम्बई । भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्वकप में अहम मुकाबला रविवार को होगा। इस मैच को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। इसमें भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है क्योंकि आईपीसी टूर्नामेंटों में दोनो के बीच हुए सात में से छह मुकाबले भारतीय टीम जीती है। पाक टीम में फखर जमां , मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम तीन खिलाड़ी हैं जो भारतीय टीम की राह में बाधा बन सकते हैं। ऐसे में भारतीय गेंदबाजों को इनपर शुरुआत में ही अंकुश लगाना होगा। फखर के कारण ही 2017 चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच में फखर ने 106 गेंदों में 114 रन बनाये थे। फखर की अंतिम पांच पारियों पर नजर डालें तो उन्होंने इन सभी को मिलाकर अब तक कुल 152 रन बनाए हैं। इसके अलावा मोहम्मद रिजवान ने भी भारतीय टीम के खिलाफ काफी रन बनाये हैं। 2021 विश्वकप में भारत के खिलाफ पाक की जीत में रिजवान की अहम भूमिका थी। रिजवान ने इस मैच में 79 रन बनाये थे। ऐसे में उनसे भारतीय टीम को सतर्क रहना होगा। तब अंतिम 5 टी20 मुकाबले में इस बल्लेबाज ने कुल 155 रन बनाये थे। इसके अलावा कप्तान बाबर आजम भी भारतीय टीम के खिलाफ जमकर रन बनाते रहे हैं। बाबर की कप्तानी में साल 2021 में भारतीय टीम को पाक से 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। तब बाबर ने 52 गेंदों में कुल 68 रन बनाये थे।

एशिया कप : भारतीय तीरंदाजों ने टीम स्पर्धाओं में जीते चार पदक

सुवोन (एजेंसी)। भारतीय तीरंदाजों ने तीरंदाजी एशिया कप 2024 स्टेज 3 में दो रजत और दो कांस्य समेत चार पदक जीते। दक्षिण कोरिया के सुवोन आयोजित स्पर्धा में शुक्रवार को भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाजी और मिश्रित टीमों ने रजत पदक जीते, जबकि पुरुष कंपाउंड और महिला रिकर्व टीमों को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीम में कुमुद सैनी, माया बिश्नोई और 16 वर्षीय तेजल साल्वे की तिकड़ी फाइनल में सिम सूइन, पार्क जुंगयून और पाक येरिन की दक्षिण कोरियाई टीम से 234-232 से हार गई।

इससे पहले भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में कजाकिस्तान को और क्वार्टरफाइनल में मंगोलिया को हराया था। कंपाउंड मिश्रित टीम के फाइनल में भारत की 17 वर्षीय कुमुद सैनी और 15 वर्षीय मानव जाधव दक्षिण कोरिया के सिम सूइन और कांग डोंगह्योन से 157-155 से हार गए। भारतीय जोड़ी ने क्वार्टरफाइनल में हांगकांग चीन को और सेमीफाइनल में कजाकिस्तान को हराकर फाइनल में पहुंची थी।

वहीं पुरुषों की कंपाउंड टीम स्पर्धा में मानव जाधव, गणेश मणिरत्नम थिरमुरु और कुशल दलाल ने चीनी ताइपे के हान टिंग लिन, चेंग एन काओ और हाओ-एन लू को 236-229 के स्कोर से हराकर कांस्य पदक जीता। भारत ने सेमीफाइनल में मलेशिया से हारने से पहले क्वार्टरफाइनल में हांगकांग चीन को हराया था।

भारत की रिकर्व महिला तीरंदाजी टीम ने प्लेऑफ में उज्बेकिस्तान को 5-3 से हराकर कांस्य पदक जीता। भार्गवीबेन भगोरा, बसंती महतो और 14 वर्षीय शारवरी सोमनाथ शेंडे ने जयिदाखोन अब्दुसत्तोरोवा, निलुफर हमरोएवा और ओमिना एगांशोवा की विपक्षी टीम को शिकस्त दी। क्वार्टरफाइनल में भारतीय महिला रिकर्व टीम ने कजाकिस्तान को हराया था, लेकिन सेमीफाइनल में स्वर्ण पदक विजेता दक्षिण कोरिया से हार गई थी। सुवोन में एशिया कप के लिए भेजी गई युवा भारतीय टीम के पास शनिवार को अपने पदकों की संख्या बढ़ाने का अवसर होगा। कुमुद सैनी महिला कंपाउंड फाइनल में दक्षिण कोरिया की पार्क येरिन से भिड़ेंगी, जबकि तेजल साल्वे इसी स्पर्धा के कांस्य पदक फाइनल में दक्षिण कोरिया की चो यूजू का सामना करेंगी। शीर्ष भारतीय तीरंदाज दीपिका कुमारी सुवोन में प्रतिस्पर्धा नहीं कर रही हैं।

सनातन की सुरक्षा के लिए नहीं, बल्कि बीजेपी को सत्ता में बनाए रखने के लिए लोग हिंदुत्व का झंडा लहराते आते हैं

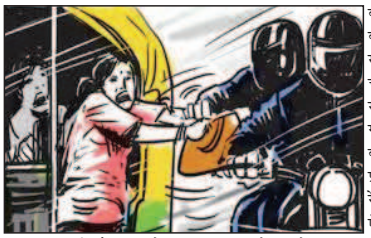

सूरत भूमि, सूरत। सूरत शहर में ही नहीं बल्कि समग्र भारत में संघ तथा हिंदू सेवी संस्थाएं सिर्फ भारतीय जनता पार्टी को सत्ता में मजबूत बनाए रखने के लिए धरती पर कार्यरत दिखाई देती है। यही संस्था जब और जहां हिंदू हित की बात आती है तो ऐसे मौन बैठ जाती है जैसे गांधी जी के तीन बंदर ना कुछ देखते हैं ना कुछ सुनते हैं और ना ही कुछ बोलते हैं। क्योंकि जहां एक तरफ भारतीय जनता पार्टी भ्रष्टाचार मुक्त भारत का निर्माण करने का दावा करती है, वहीं दूसरी तरफ नशाबंदी राज्य गुजरात जहां मुख्यमंत्री के पद से उन्नति प्राप्त करके माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी जी भारत के सर्वोच्च पद की गरिमा प्राप्त किए। गुजरात में आज तमाम मंदिरों को ध्वस्त करने के बाद बची-कुची मंदिरों के परिसर में अथवा अगल-बगल में खुलेआम दारू जुगार के अड्डे चलाए जा रहे हैं। जिसकी शिकायत गुजरात राज्य के गृहमंत्री तक की गई है। भयभीत लोग आवेदन में अपना नाम भी नहीं देते हैं। जहां पर जनता को जीने में इतना डर है की, बुराइयों का सामना करके लोग अपनी जान खतरे में नहीं डालना चाहते। इसका प्रमाण स्पष्ट दिखाई देता है की गृह मंत्री को आवेदन देने के बावजूद भी पुलिस प्रशासन के कान में जू रेंगता भी नहीं दिख रहा। ऐसी स्थिती को देखने के बाद यह समझ में आता है भारत का सबसे बड़ा जंगल राज्य और गुलाम राज्य गुजरात में हीं है। जहां की जनता चोर व लूटेरो से अपने सामान की सुरक्षा करने में असमर्थ है। क्योंकि मोबाइल की चोरी, चैन स्नैचिंग, गाड़ी चोरी का काम करने वाले दारू पीकर दिन-रात रोड पर घूमते रहते हैं। जिनके डर से लोग अपने सामान की बड़ी चैतन्यता से सुरक्षा करते हुए सफर करते हैं, फिर भी चोर उ चक्को तथा बुटलेगरों से बचकर अपना जीवन जीते हैं और किसी राज्य को सर्वोच्च विकासशील राज्य का दर्जा देने में भ्रष्टाचारी अधिकारी सफल दिखाई देते हैं। गुलामी की इस जंजीर में जकड़ा हुआ गुजरात का हर व्यक्ति अमन चैन की जिंदगी जीने के लिए सरकार से मांग करता रहता है। क्या जनता को अच्छे दिन का दर्शन हो सकता है ?

बारडोली में हर सोमवार और गुरुवार को स्वराज आश्रम में जैविक किसानों द्वारा कृषि उपज बेची जाती है

सूरत। राज्य के किसान अधिक से अधिक प्राकृतिक खेती करें इसके लिए चमिशन मोडज पर प्राकृतिक खेती अभियान चलाया गया है. किसान रासायनिक खेती छोड़कर गौ आधारित प्राकृतिक खेती कर आत्मनिर्भर बनें, इसके लिए सूरत जिले में किसानों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिया गया है। किसानों को अपने कृषि उत्पाद अपने दरवाजे पर बेचने में सक्षम बनाने के लिए, हर सोमवार और गुरुवार को स्वराज आश्रम के सहयोग से बारडोली तालुका मुख्यालय पर शाम 4.30 से 7.30 बजे तक जैविक खेती करने वाले किसानों द्वारा अपने कृषि उत्पाद जैसे सब्जियां, दालें, अनाज बेचे जाते हैं। जिले की आत्मा परियोजना संचालित है। किसान रसायन मुक्त खेती के माध्यम से अपने परिवार के साथ-साथ अन्य लोगों के लिए उपयुक्त और स्वस्थ भोजन प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं। बारडोली के नगरवासी भी स्वच्छ एवं शुद्ध कृषि उपज खरीद रहे हैं। इसलिए, अधिक से अधिक लोगों को जैविक खेती करने वाले किसानों से खरीदारी के लिए प्रोत्साहित करना समय की मांग है।

प्रवेश लेने के इच्छुक हैं और निर्धारित मानदंडों के लिए पात्र कुमारों को प्रवेश के लिए esamajkalyan.gujarat.gov.in पर आवेदन करना चाहिए

सूरत। आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा, अधिक पिछड़ा, घुमंतू और विमुक्त, आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जाति मेडिकल, इंजीनियरिंग, फार्मेसी डिग्री, डिप्लोमा, बैचलर ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, पोस्ट ग्रेजुएट और 11 -12 सभी संकायों में अध्ययनरत छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से निदेशक, विकास जाति कल्याण, गांधीनगर द्वारा सरकारी छात्रावास की सुविधा प्रदान की जाती है। ऐसे सरकारी छात्रावासों की सूची esamajkalyan.gujarat.gov.in पर उपलब्ध है। वर्तमान शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए, जो कुमार सरकारी कुमार छात्रावास-ओलापाड में प्रवेश के इच्छुक हैं और जो निर्धारित मानदंडों के तहत पात्र हैं, उन्हें प्रवेश के लिए उपरोक्त वेबसाइट से संपर्क करना चाहिए और 30/06/2024 तक ऑनलाइन आवेदन करना चाहिए। सभी नियमों की जानकारी वेबसाइट से मिल जाएगी. प्रवेश भवन क्षमता और उप-आरक्षण के आधार पर आवंटित किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए, नानपुरा में विकास जाति के उप निदेशक के कार्यालय से संपर्क करें, सूरत के जिला उप निदेशक (विकास जाति) ने कहा।

गुजरात आयुष हेल्थ एंड वेलनेस एक्सपो आज सिटीलाइट स्थित साइंस सेंटर में शुरू हुआ

सूरत। गुजरात आयुष हेल्थ एंड वेलनेस एक्सपो का उद्घाटन 7, 8 और 9 जून को सूरत सिटीलाइट रोड स्थित साइंस सेंटर में चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रमेशभाई वाघासिया, उपाध्यक्ष विजयभाई मेवावाला और डोनेट लाइफ के नीलेशभाई मंडलेवाला, निखिलभाई मद्रासी और मुख्य प्रायोजक डॉ. द्वारा किया गया। . यह अशोक सूर्यवंशी - मरीना ग्रैंड हॉस्पिटल टीम की उपस्थिति में किया गया। आयु ग्रुप के अध्यक्ष - वरिष्ठ आयुर्वेदिक पंचकर्म विशेषज्ञ डॉ. निपश पटेल के मुताबिक, इस तीन दिवसीय एक्सपो में आयुर्वेदिक, हॉस्पिटल, आयुष फार्मा इंडस्ट्री, ब्यूटी, फिटनेस, होलिस्टिक, हर्बल, अल्टरनेटिव, नेचुरोपैथी, न्यूट्रिशन, ऑर्गेनिक फूड के विभिन्न स्टॉल होंगे। आज हर घर में बीमारियाँ, पुरानी और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ देखने को मिलती हैं। इस एक्सपो का उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देना और गुजरात और सूरत के लोगों को स्वस्थ रहने और बीमारियों से बचने में मदद करना होगा।

एक्सपो में प्रवेश तीनों दिन सुबह 10:00 बजे से रात 8:00 बजे तक निःशुल्क रहेगा। एक्सपो के दौरान स्टॉल प्रदर्शनी के अलावा एक दिवसीय गुजरात राज्य आयुर्वेदिक सम्मेलन का आयोजन किया गया है, पंचकर्म, नाड़ी विद्या, ममी चिकित्सा, तत्काल दर्द प्रबंधन पर कार्यशालाएं भी आयोजित की जाएंगी। विशेष रूप से गठिया, गठिया, पीठ दर्द - घुटने/घुटने के दर्द के लिए एक विशेष निःशुल्क निदान-जांच शिविर भी आयोजित किया जाता है। आयुर्वेदिक औषधियां कई रियायती दरों पर प्राप्त की जा सकती हैं।

स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य जांच के दौरान स्वस्थ होना और यदि ऑपरेशन की आवश्यकता हो तो मुख्य प्रायोजक मरीना ग्रैंड हॉस्पिटल के डॉ. अशोक सूर्यवंशी के वास्तविक मार्गदर्शन से प्रामाणिक उपचार किया जाएगा। आज हमारे समाज में स्वास्थ्य जागरूकता की बहुत आवश्यकता है, 80त्न बीमारियाँ स्वनिर्मित होती हैं। चाहे कितने भी अस्पताल, डॉक्टर, दवाइयाँ और फार्मास्युटिकल दवाएँ उपलब्ध हों, बीमारी का कोई स्थायी समाधान नहीं है।

स्वस्थ और फिट रहना हम सभी का जन्मसिद्ध अधिकार है और जीवन में खुश रहने के लिए बीमारियों की कोई आवश्यकता नहीं है। भारतीय संस्कृति के आयुर्वेद-योग-अध्यात्म विद्या के त्रिवेणी संगम की ओर लौटने का समय आ गया है। आयुर्वेद के माध्यम से स्वस्थ मानसिकता अपनानी होगी, जीवनशैली बदलनी होगी, फिटनेस गतिविधियाँ अपनानी होंगी, योग को अपनी दिनचर्या में अपनाना होगा, तभी आप अगली पीढ़ी को एक अच्छा संदेश दे सकते हैं।

AMNS इंटरनेशनल स्कूल ने राष्ट्रीय स्तर की नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया

सूरत - हजीरा। सूरत में हजीरा स्थित AMNS इंटरनेशनल स्कूलने राष्ट्रीय स्तर की नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

इस प्रतियोगिता की थीम विश्व पर्यावरण दिवस-2024 के विषय "भूमि पुनरुद्धार, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता" के अनुरूप थी।

कक्षा 11 और 12 की 10 छात्राओंने इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में AMNS इंटरनेशनल स्कूल का प्रतिनिधित्व किया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शनने उन्हें देशभर के सैकड़ों स्कूलों से आई प्रविष्टियों में शीर्ष स्थान दिलाया।

सुनीता मटू, प्रधानाचार्य - AMNS इंटरनेशनल स्कूलने कहा कि, "इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देशभर के कई स्कूलों ने हिस्सा लिया और यह बहुत गर्व की बात है कि, हमारे छात्रों की प्रविष्टि को सर्वश्रेष्ठ माना गया। मैं उन्हें राष्ट्रीय मंच पर उनकी शानदार जीत के लिए बधाई देती हूं और उनके बेहतरीन एवं असाधारण प्रदर्शन और समर्पण की सराहना करती हूं।"

राष्ट्रीय स्तर की नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का आयोजन राष्ट्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय द्वारा किया गया था, जो पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत कार्य करता है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उचित समाधान खोजना था।

विधवा, निराश्रित एवं निःसंतान दम्पत्तियों को 75 खाद्यान्न किट वितरित किये गये

सुरत भुमि, सूरत। श्री सोमवंशीय सहस्त्रार्जुन क्षत्रिय समाज पंच सूरत, महिला मंडल की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती कमलाबेन पांडुरंगभाई पखाले के 75 वर्ष पूर्ण होने पर पखाले परिवार द्वारा 06-06-2024 को गुरुवार की सुबह विधवाओं को 75 अनाज किट वितरित किये गये। वाडी में समुदाय के निराश्रित एवं निःसंतान दम्पति। जिसमें दीपकभाई पखाले, अनिलभाई पखाले, समाज के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष, समाज के नेताओं सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाया।

एसके सूरत मैराथन में स्वास्थ्य जागरूकता के लिए 30 जून को दौडेंगे सूरतवासी

इस कार्यक्रम का आयोजन आईआईईएमआर, एस.के. द्वारा किया गया था। यह फाइनेंस और सूरत पुलिस के सहयोग से किया जा रहा है।

सूरत। पर्यावरण में लगातार हो रहे बदलाव और बिगड़ती दिनचर्या के कारण अब स्वास्थ्य पर काफी गंभीर असर देखने को मिल रहा है। ऐसे में स्वास्थ्य जागरूकता और रनिंग कल्चर को बढ़ावा देने के लिए सूरत में एसके सूरत मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। एसके सूरत मैराथन का पहला संस्करण 30 जून को आयोजित किया जाएगा, जो सूरत पुलिस के सहयोग से आईआईईएमआर और एसके फाइनेंस की संयुक्त पहल है।

इसकी जानकारी देते हुए एसके सूरत मैराथन के आयोजक मुकेश मिश्रा और कार्यक्रम समन्वयक डैनी निर्बान ने बताया कि एसके सूरत मैराथन में 3 किमी ड्रीम रन के साथ 21 किमी, 10 किमी और 5 किमी की टाइम रन का भी आयोजन किया गया है। एसके सूरत मैराथन के लिए पंजीकरण www.suratmarathon.in पर किया जा सकता है। कल से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू हो रहा है।

21 किमी, 10 किमी, 5 किमी 'टाइम रन' और 3 किमी 'ड्रीम रन' के लिए पंजीकरण खुला है।

200 से अधिक पौधे लगाकर टी.एम. पटेल इंटरनेशनल स्कूल में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

सुरत भूमि,सूरत । विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून 2024) के अवसर पर सरस्वती एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित टी.एम. पटेल इंटरनेशनल स्कूल, सूरत ने ग्रीन आर्मी ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से वेसु में वृक्षारोपण गतिविधि शुरू की, जिसमें 2000 से अधिक पेड़ लगाने की प्रतिबद्धता के साथ 200 से अधिक पौधे लगाए गए।

स्कूल ट्रस्टी श्री हरीश पटेल ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण जागरूकता बढ़ाना और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देना, जलवायु परिवर्तन से निपटने और पारिस्थितिक संतुलन को बढ़ाने में पेड़ों के महत्व पर प्रकाश डालना था। यह पर्यावरण संरक्षण के प्रति स्कूल बिरादरी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस अवसर पर विद्यालय के ट्रस्टी श्री हरीश पटेल, डिरेक्टर के. मैक्सवेल मनोहर, प्रबंधन सदस्य, प्रशासनिक कर्मचारी, शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्रों और स्वयंसेवकों ने स्कूल और वेसु क्षेत्र के आसपास सैकड़ों पौधे लगाने में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)